देश में पहले चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर शुक्रवार को वोटिंग खत्म हो गई। 102 सीटों पर शाम पांच बजे तक लगभग 60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:28 अंक: 344 दिनांक:20-04-2024 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की आपूर्ति के तहत ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों का पहले सेट फिलीपींस रवाना कर दिया गया है। दोनों देशों के बीच 2022 में इस हथियार प्रणाली का सौदा हुआ था।

21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न.

पहले चरण में 63 फीसदी से अधिक मतदान,बंगाल में सबसे ज्यादा 80 प्रतिशत वोटिंग,बिहार में सबसे कम 48 प्रतिशत वोटिंग

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा के फस्ट फेज में 21 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग जारी है। सीटों के हिसाब से यह सबसे बड़ा फेज है। इस फेज में शाम 6 बजे तक 63 फीसदी वोटिंग हुई है। फाइनल वोटिंग प्रतिशत अभी नहीं आया है। सबसे ज्यादा 80 प्रतिशत वोट त्रिपुरा में डाले गए, जबकि बिहार में सबसे कम 48 प्रतिशत वोटिंग हुई। 21 राज्यों में वोटिंग का एवरेज 63 प्रतिशत है। फस्ट फेज में 1,625 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 1,491 पुरुष, 134 महिला कैंडिडेट हैं। 8 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल भी इस बार चुनाव मैदान में हैं।

वोटिंग के दौरान मणिपुर के बिष्णुपुर में फायरिंग, बंगाल के कूचबिहार में हिंसा और छत्तीसगढ़ के बीजापुर में ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ है। ब्लास्ट में एक असिस्टेंट कमांडेंट और जवान घायल हैं। मणिपुर की दो लोकसभा सीटों (मणिपुर इनर और मणिपुर आउटर) पर भी इस फेज में वोटिंग है। हिंसा को देखते हुए आउटर सीट के कुछ हिस्सों में 26 अप्रैल को भी वोटिंग होगी।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मध्यप्रदेश की 6 सीटों- छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, बालाघाट, शहडोल और सीधी पर वोटिंग हो रही है। छिंदवाड़ा के वार्ड नंबर 25 के पाटनी टॉकीज क्षेत्र में कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। हाथापाई के साथ-साथ दोनों तरफ से एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंकी गईं। पुलिस ने मोर्चा संभाला। वहीं, छिंदवाड़ा की पांढुर्णा विधानसभा में कांग्रेस पर्यवेक्षक सुनील जुननकर पर मुंह पर कपड़ा बांधे कुछ युवकों ने हमला करने की कोशिश की। बालाघाट में बूथ क्रमांक 242 शासकीय नेहरू प्राथमिक शाला और बूथ नंबर 195 शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज का वीडियो वायरल करने के मामले सामने आए हैं। दोनों मामलों की कोतवाली थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मप्र में पहले चरण की छह लोकसभा सीटों सीधी, शहडोल, मंडला, बालाघाट, जबलपुर और छिंदवाड़ा के लिए मतदान खत्म हो गया। बालाघाट के नक्सल प्रभावित बैहर, लांजी और परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्रों में दो घंटे पहले चार बजे मतदान समाप्त हो गया। शांतिपूर्ण मतदान के लिए केंद्रीय अद्र्ध्द सैनिक बल, राज्य सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल और होमगार्ड के जवानों को तैनात किया गया था।

असम की पांच लोकसभा सीटों पर खराबी के कारण कुल 150 पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) सेट बदले गए। अलग-अलग ईवीएम की वीवीपैट और बैलेट इकाइयों सहित 400 से अधिक उपकरणों को भी खराबी के कारण बदला गया है। चुनाव विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधिकांश गड़बड़ियां मॉक पोलिंग के दौरान देखी गई, जो वास्तविक मतदान से 90 मिनट पहले शुरू हुई। वास्तविक मतदान शुरू होने के बाद, पूरे सेट के साथ छह ईवीएम बदले गए। वहीं, विभिन्न मतदान केंद्रों पर 40 और वीवीपैट बदले गए।

छत्तीसगढ़ में बीजापुर के उसूर थाना इलाके के गलगम में ग्रेनेड ब्लास्ट में घायल सीआरपीएफ-196 बटालियन का जवान शहीद हो गया है। जवान का नाम देवेंद्र कुमार है। जवान एरिया डोमिनेशन पर निकले थे। इसी दौरान पोलिंग बूथ से 5 सौ मीटर दूर ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ था।

नगालैंड के 6 जिलों में लगभग 0 प्रतिशत वोटिंग हुई है। ये जिले हैं- मोन, लॉन्गलेंग, तुएनसान्ग, नोकलाक, शामाटोर और किफिरे। ये सभी पूर्वी नगालैंड में आते हैं। ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन इन जिलों के लिए अलग प्रशासन और पहले से अधिक वित्तीय स्वंत्रता की मांग कर रहा है। इस संगठन ने इन जिलों के लोगों से चुनाव का बहिष्कार करने की अपील की थी।

बालाघाट-सिवनी लोकसभा सीट पर जिले के नक्सल प्रभावित लांजी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहेला के ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया है। 1637 मतदाताओं में केवल 38 शासकीय व अद्र्धशासकीय लोगों ने ही अपने मत का उपयोग किया। बाकी शेष मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया। जब इस बात की जानकारी जिला प्रशासन को मिली तो आनन-फानन मे तत्काल ग्राम में पहुंचकर ग्रामीणों को समझने का प्रयास किया गया। लेकिन ग्रामीण नहीं माने और उन्होंने चुनाव का बहिष्कार कर दिया। ग्रामीणों ने बिजली, पानी और मोबाइल टावर नेटवर्क की समस्या को बताते हुए चुनाव का बहिष्कार कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा उन्हें काफी देर तक समझने का प्रयास किया गया। लेकिन ग्रामीणों ने अधिकारियों की एक भी नहीं मानी और लोकसभा चुनाव का बहिष्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार गांव में जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन तो बिछा दी गई है लेकिन उसमें पानी नहीं आता, जिससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है। इतना ही नहीं ग्राम में मोबाइल टावर तो लगा है लेकिन उसमें नेटवर्क की समस्या रहती है ग्राम में बिजली कटौती भी बहुत होती है। जिससे ग्रामीण काफी परेशान है। इस समस्या को लेकर बहेला ग्राम के ग्रामीणों ने प्रशासनिक स्तर पर अधिकारियों को पूर्व में चेताया भी था कि वह चुनाव का बहिष्कार करेंगे। लेकिन बावजूद इसके प्रशासनिक अमला नहीं जागा और मजबूरन यहां पर ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया।

ब्रह्मोस मिसाइल फिलीपींस रवाना, दो साल पहले हुआ था समझौता

भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में ब्रह्मोस ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत की ब्रह्मोस मिसाइल जिसका दुनिया लोहा मान चुकी है। भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की आपूर्ति शुरू कर दी है। इसके तहत ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों का पहले सेट फिलीपींस रवाना कर दिया गया है। भारत-फिलीपींस के बीच 2022 में इस हथियार प्रणाली का सौदा हुआ था। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) मिसाइलों के साथ अपना सी-17 ग्लोबमास्टर मालवाहक विमान फिलीपींस भेज रही है। मिसाइलों को फिलीपीन मरीन कॉर्प्स को सौंपा जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि हथियार प्रणालियों को समुद्री मार्ग से भी पहुंचाया गया, जहां मालवाहक जहाजों को किराए पर लिया गया था। उन्होंने बताया कि मिसाइलों के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली के लिए जमीनी प्रणाली का निर्यात पिछले महीने ही शुरू हो गया था। फिलीपींस को यह मिसाइल प्रणाली ऐसे समय दी जा रही है, जब दक्षिण चीन सागर में झड़पों के कारण फिलीपींस का चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल को फिलीपींस अपने तटीय क्षेत्रों में तैनात करेगा, ताकि क्षेत्र को खतरों से बचाया जा सके।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी संघ के एनपीओ माशिनोस्ट्रोयेनिया के बीच संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को दुनिया के सबसे सफल मिसाइल कार्यक्रमों में से एक माना जाता है। ब्रह्मोस ने भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पीएम मोदी का अखिलेश-राहुल पर हमला, दो शहजादे फिल्म की शूटिंग करते घूम रहे

अमरोहा निवासी क्रिकेटर मोहम्मद शमी की तारीफ की

अमरोहा (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरोहा में रैली को संबोधित किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि यूपी में दो शहजादे फिल्म की शूटिंग करते हुए घूम रहे हैं। इन्हें पहले भी जनता ने खारिज कर दिया था। दोनों आस्था पर हमला करने से नहीं चूकते।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है, जिसमें जनता का एक-एक वोट भारत के भाग्य को सुनिश्चित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा गांव, गरीब के लिए बड़े दृष्टिकोण और बड़े लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रही है, लेकिन विपक्षी गुट 'इंडिया के लोगों की सारी शक्ति गांव, देहात को पीछे बनाने में लगती है। उन्होंने कहा कि इस मानसिकता का सबसे बड़ा नुकसान अमरोहा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों को उठाना पड़ा है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने अमरोहा निवासी क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद शमी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि क्रिकेट वर्ल्ड कप में शमी ने जो कमाल किया उसे पूरी दुनिया ने देखा है। खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए केंद्र ने उन्हें अर्जुन पुरस्कार दिया है और योगी सरकार यहां के युवाओं के लिए स्टेडियम भी बनवा रही है। उन्होंने कहा कि अमरोहा की एक ही थाप है, कमल छाप। और अमरोहा का एक ही स्वर है, फिर एक बार मोदी सरकार।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण पर मोदी ने लोगों से अपील कर कहा कि ''मेरा सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि संविधान से मिले इस अधिकार का उपयोग जरूर करें। विशेषकर मैं अपने युवाओं से आग्रह करूंगा, जो पहली बार वोट डालने जा रहे हैं कि वे ऐसा मौका जाने न दें, अवश्य वोट करें। मोदी ने कहा कि अमरोहा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश का ये क्षेत्र अपने मेहनती किसानों के लिए भी जाना जाता है।

चारधाम यात्रा में पहली बार ले जा सकेंगे चार्टर्ड हेलिकॉप्टर 4 दिन में 14 लाख रजिस्ट्रेशन

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड में 10 मई से शुरू होने जा रही चारधाम यात्रा का उत्साह इस बार काफी ज्यादा है। बीते 4 दिन में 14 लाख से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। पिछली बार चार महीने में 55 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। इस बार यह रिकॉर्ड टूट सकता है।

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के इख्तइ सी. रविशंकर के मुताबिक पहली बार चारधाम के लिए चार्टर्ड हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो रही है। इसमें 4 लोग एक धाम की यात्रा साढ़े तीन लाख रु. में कर सकते हैं। यदि चारों धाम के लिए चार्टर्ड हेलिकॉप्टर लेते हैं तो प्रति व्यक्ति 1.95 लाख देने होंगे। किराए में आना-जाना, रुकना, खाना शामिल है। हेलिकॉप्टर भी वहीं रहेगा। एक ही दिन में वापसी का रेट 1.05 लाख रु. रहेगा।

सामान्य हेलीकॉप्टर सेवा का किराया 5 प्रतिशत बढ़ा है। गौरीकुंड से 18 किमी पहले फाटा से केदारनाथ जाते हैं तो एक तरफ का प्रति व्यक्ति किराया 2,886 रु. होगा। पिछली बार ये 2,749 रु. था। गुप्तकाशी से 4,063 रु. रहेगा, जो 3,870 रु. था। पहले हेलिकॉप्टर सर्विस की बुकिंग 15 दिन के स्लॉट में होती थी। इस बार एक माह का स्लॉट रहेगा। 10 मई से 20 जून और 15 सितंबर से 31 अक्टूबर तक और बुकिंग आईआरसीटीसी की हेलीयात्रा वेबसाइट से 20 अप्रैल से होगी।

अब तीन माह पहले बुक होगी भस्म आरती

उज्जैन (ईएमएस)। महाकाल के भक्तों के लिए यह अच्छी खबर है। अब भस्म आरती में शामिल होने के लिए भक्त 15 दिन नहीं बल्कि तीन महीने पहले बुकिंग करा सकते हैं। महाकाल मंदिर समिति इस व्यवस्था को मई के प्रथम सप्ताह से शुरू कर देगी।

महाकाल मंदिर में देश भर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते है। अधिकांश भक्त सुबह होने वाली भस्म आरती में शामिल होना चाहते है। लेकिन इसकी बुकिंग 15 दिन पहले ऑनलाइन या फिर एक दिन पहले ऑफलाइन करवाना पड़ती है। ऑनलाइन बुकिंग करवाने वाले भक्तों के साथ ये समस्या आती है की उनकी बुकिंग होने के बाद ही वो उज्जैन आने का प्लान तैयार कर पाते थे।

पीएम मोदी ने अच्छे दिन आने का सपना दिखाकर महंगाई बढ़ाने का काम किया- मल्लिकार्जुन खरगे

- यह चुनाव देश की संविधान को बचाने का चुनाव है

कटिहार, (ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार के कटिहार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने लोगों को अच्छे दिन आने का सपना दिखाकर केवल महंगाई बढ़ाने का काम किया है। शनिवार शाम चार बजे तक कटिहार के राजेंद्र स्टेडियम में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी तारिक अनवर के समर्थन में आयोजित एक जनसभा में मल्लिकार्जुन खरगे ने लोगों से कांग्रेस प्रत्याशी तारिक अनवर को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर बिहार प्रभारी मोहन प्रकाश, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह तथा तारिक अनवर समेत अन्य नेता मौजूद थे। मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने संबोधन में बीजेपी पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि देश में संविधान खतरे में है। बिहार में डबल इंजन की सरकार के रहते हुए भी मोदी जी ने बिहार को पिछले दस सालों में कुछ नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश की संविधान को बचाने का चुनाव है। आपको ये भी देखना है कि मोदी जी ने कितने वादे किये और कितना वादा पूरा किया. ये कहते हैं कि मोदी की गारंटी है लेकिन वादा पूरा नहीं करना ही उनकी गारंटी रह गई है। अपने भाषण में खरगे ने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस के दामों में कितनी बढ़ोत्तरी हुई है ये आप सबको पता ही है। बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव कहते हैं कि चाचा हमको छोड़कर चले गए. इसपर मैं उनसे कहता हूँ कि बार बार चाचा चाचा मत बोलो, चला गया है तो जाने दो, अब उसे पकड़कर मत लाओ. खरगे ने कटिहार की जनता से जाते जाते ये अपील करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार तारिक अनवर को भारी मतों से विजयी बनाएं. केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर युवाओं को एक लाख रुपया दिया जायेगा, उन्हें रोजगार उपलब्ध करवाया जायेगा, गरीब महिलाओं को हर साल एक लाख रुपया दिया जायेगा, किसानों के लिए योजनाएं लाई जाएगी, उनके कर्ज माफ़ की स्कीम लाई जाएगी, मनरेगा में एक मजदूर को 400 रूपये से कम मजदूरी नहीं होगी। इसके अलावा और भी जनकल्याणकारी योजनाएं लाई जाएगी।

लॉरेंस बिश्नोई के नाम से बुक की गई कार गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर

मुंबई, (ईएमएस)। 14 अप्रैल को मुंबई के बांद्रा इलाके में अभिनेता सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग हुई थी. इस मामले में मुंबई पुलिस ने 3 संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया है. अब इस मामले में एक बार फिर सलमान खान को धमकी मिली है. खबर है कि लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान खान को धमकी दी है. दरअसल सलमान खान के घर शुक्रवार को एक शख्स ने कैब भेजी. कैब को लॉरेंस बिश्नोई के नाम से बुक किया गया और गैलेक्सी अपार्टमेंट भेजा गया। ये कार गैलेक्सी अपार्टमेंट के पास रुकी. कैब ड्राइवर ने वहां खड़े सिक्योरिटी गार्ड को बताया कि उसने लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर कैब बुक की है. कैब सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट से बांद्रा पुलिस स्टेशन तक बुक की गई थी। सिक्योरिटी गार्ड ने जैसे ही लॉरेंस बिश्नोई का नाम सुना, उसने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी. इसके बाद बांद्रा पुलिस ने ड्राइवर से पूछताछ कर उससे जानकारी ली. इस मामले में पुलिस को पता चला कि कैब बुक करने वाला शख्स गाजियाबाद का है और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है. लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर कार बुक करने वाले आरोपी का नाम रोहित त्यागी (20) है। पुलिस इस मामले में आरोपी से पूछताछ कर रही है. इसी बीच शुक्रवार को सलमान खान को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. गोलीबारी की घटना के बाद सलमान पहली बार घर से बाहर निकले हैं।

नाबालिग बलात्कार पीडिता ने मांगी गर्भपात की इजाजत

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र की 14 साल की रेप पीड़ित ने सुप्रीम कोर्ट से अबॉर्शन की इजाजत मांगी है। पीड़ित 28 हफ्ते की प्रेग्नेंट है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर शुक्रवार 19 अप्रैल को शाम 4.30 बजे अर्जेंट सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट ने पीड़ित का मेडिकल कराने का आदेश दिया है। पीड़ित का 20 अप्रैल को महाराष्ट्र के हॉस्पिटल में मेडिकल होगा। इसमें ये देखा जाएगा कि अबॉर्शन का नाबालिग पर शारीरिक और मानसिक रूप से क्या असर होगा। सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने इस मामले पर विशेष सुनवाई की। इस मामले में एएसजी ऐश्वर्या भाटी भी बेंच की मदद के लिए मौजूद रहीं।

कूचबिहार में फिर भड़की हिंसा, भाजपा और टीएमसी के बीच हुई झड़प

कोलकाता(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कूचबिहार में एक फिर भाजपा और टीएमसी के कार्यकर्ता भिड़ गए है। तीन लोकसभा सीटों के लिए शुक्रवार को पहले दो घंटों में मतदान के दौरान कूचबिहार लोकसभा क्षेत्र में हिंसा की घटनाएं देखी गईं। जलपाईगुड़ी लोकसभा क्षेत्र से भी हिंसा के कुछ मामले सामने आए हैं। हालांकि, अलीपुरद्वार से चुनाव संबंधी हिंसा की कोई रिपोर्ट नहीं है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार, सुबह 9 बजे तक मतदान प्रतिशत 15.09 था।सबसे अधिक मतदान प्रतिशत अलीपुरदुआर में 15.91 प्रतिशत दर्ज किया गया,

रक्षा के क्षेत्र में ताकतवर हुआ भारत ,आत्मनिर्भर भारत मुहिम का दिख रहा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की सीमाएं चीन और पाकिस्तान से लगती हैं। दोनों पड़ोसी देशों के मंसूबे भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण हैं, यह देखकर भारत अपनी सीमाओं को और मजबूत बनाने में जुटा है। साथ ही अपने सैन्य क्षमताओं का लगातार विकास भी कर रहा है, ताकि जवानों को अत्याधुनिक उपकरण मुहैया करा सके। भारत की ओर से डिफेंस क्षेत्र में लगातार भारी-भरकम निवेश किया जाता रहा है। अब मोदी सरकार के प्रयासों के नतीजे सामने आने लगे हैं। आत्मनिर्भर भारत मुहिम ने रफ्तार पकड़ ली है। अब भारत में वॉर प्लेन (लड़ाकू विमान) के इंजन और बख्तरबंद वाहनों का निर्माण होगा। इससे न केवल भारत का सुरक्षा तंत्र मजबूत होगा, बल्कि आयात पर खर्च होने वाले विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सांसदों से कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए मिलकर लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने के वास्ते भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्रांतिकारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले वर्ष जून में अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर गए थे और उसी दौरान इस ऐतिहासिक समझौते की घोषणा की गई थी। जनरल इलेक्ट्रिक ने भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने के लिए 'हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने बताया कि अमेरिका के भारत के साथ बेहतरीन संबंध हैं। उन्होंने कहा, 'हमने हाल में भारत को विमान के इंजन बनाने में मदद की और यह एक तरह की क्रांति है। इससे भारत की क्षमता बढ़ेगी। हम भारत के साथ मिलकर एक बख्तरबंद वाहन का भी निर्माण कर रहे हैं। एलसीए तेजस मार्क 1एकी पहली सफल उड़ान बेंगलुरु के एचएएल फैसिलिटी में पूरी हुई। यह फाइटर एयरक्राफ्ट अपनी पहली उड़ान के दौरान 18 मिनट तक हवा में रहा।

गायघाट मतदान केंद्र पर नहीं डाला एक भी वोट, प्रशासन के हाथपैर फूले

जमुई (ईएमएस)। लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व का शुक्रवार से आगाज हो गया है। देश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए वोटिंग जारी है। बिहार के चार सीटों गया, औरंगाबाद, जमुई और नवादा सीट पर मतदान हो रहा है। लेकिन, लोकतंत्र के इस बड़े पर्व के उत्साह के मौके पर बड़ी खबर मुंगेर जिले से भी सामने आ रही है। दरअसल मुंगेर जिले के प्राथमिक विद्यालय गायघाट मतदान केंद्र संख्या-258पर दोपहर के 12 बजे तक एक भी वोट नहीं पड़ा है। जानकारी के अनुसार सुबह से लेकर अब तक कोई भी मतदाता अपने मताधिकारी का इस्तेमाल करने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि यह बूथ गांव से लगभग 20-25 किलोमीटर दूर है। इसकारण भीषण गर्मी के बीच दूरी के कारण लोग मतदान करने नहीं पहुंचे हैं। हालांकि उम्मीद है कि अगले कुछ घंटों में मतदाता यहां मतदान करने पहुंच सकते हैं।

जिला प्रशासन के द्वारा 5 नक्सल बूथों को सुरक्षित स्थानों पर लाया गया है। इस कारण जो बूथ भीमबांध जंगल के अंदर बने वन विभाग के विश्रामस्थल में जो मतदान केंद्र था वहां नक्सल इलाका होने के कारण उस बूथ को 25 किलोमीटर दूर गाय घाट ले आया गया है, इसकारण 25 किलोमीटर दूर होने के कारण मतदाता वहां तक नहीं पहुंच पा रहे है। बता दें, इस बूथ पे मतदाताओं की संख्या 419 है।

वहीं गायघाट मतदान केंद्र पर अब तक एक भी वोट नहीं पड़ने की खबर पर बिहार निर्वाचन आयोग ने मामले में संज्ञान लिया है। निर्वाचन आयोग की सूचना पर डीडीसी और एसडीएम खड़गपुर सहित अन्य अधिकारी मुंगेर के गायघाट मतदान केंद्र संख्या 258 के लिए रवाना हो गए हैं। निर्वाचन आयोग ने वोटर्स को वोटिंग के लिए समझाने का निर्देश दिया है।

बतादें, औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के नेहुता गांव स्थित बूथ संख्या 97 पर चार घंटे से अधिक बीत जाने के बाद अभी तक मात्र 3 मतदाता ने अपना वोट डाला है। वहीं मामले में भी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संज्ञान लिया और औरंगाबाद जिले के डीएम से बात कर वोटरों को वोट देने के लिए समझाने का निर्देश दिया है।

इजरायल ने ईरान, सीरिया और इराक में एक साथ की एयरस्ट्राइक

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल और ईरान में संघर्ष तेज हो चुका है। बताया जा रहा है कि ईरान, सीरिया और इराक तीन देशों में एक साथ इजरायल ने एयरस्ट्राइक की है। ईरान के इस्फहान, दक्षिणी सीरिया के अस-सुवेदा गवर्नरेट और बगदाद क्षेत्र और इराक के बबील गवर्नरेट में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। तीन देशों में हुए धमाकों से इसकी अटकलें लगाई जा रही हैं कि ये हमला इजरायल ने किया है।

इजरायली हमलों से दक्षिणी सीरिया के अस्वेदा और दारा प्रांतों में सीरियाई सेना से संबंधित स्थलों को निशाना बनाया गया है। इराक के एरबिल और मौसूल के निवासियों के अनुसार उन्होंने लड़ाकू विमानों की आवाज सुनी है। ये धमाके उस समय पर सुने गए जब इजरायल ने ईरान पर हमले का जवाब देने का वादा किया था। अब तेहरान से सारे फ्लाइटों को रद्द कर दिया गया है।

इसमें पहले ईरान के विदेश मंत्री ने इजरायल को धमकी दी गई थी। ईरान ने कहा था कि अगर इजरायली शासन फिर से दुस्साहस करता हैं, तब हमारी ओर से अगली प्रतिक्रिया तत्काल और बड़े स्तर पर होगी। ईरान ने देश के कई प्रांतों में अपनी वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय कर दी और वायु रक्षा बैटरियां निकाल दीं। तेहरान द्वारा अपनी वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय करने के बाद इस्फ़हान के पास परमाणु सुविधाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

इजराइल का कथित हमला 13 अप्रैल को ईरान द्वारा इजराइल पर पहला सीधा हमला शुरू करने के कुछ दिनों बाद आया है। तेहरान ने इजराइल पर 300 से अधिक मिसाइलें और ड्रोन लांच किए।

एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरानी लक्ष्य परमाणु नहीं था। इस्फहान के वीडियो में क्षेत्र के आसमान में ईरानी हवाई सुरक्षा को सक्रिय दिखाया गया है।

कश्मीर में हथियार पहुंचाने के लिए लश्कर ने पैटर्न बदला

खालिस्तानी पंजाब के रास्ते पहुंचा रहे हथियार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान पोषित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने कश्मीर में अपने आतंकियों तक घातक हथियारों और विस्फोटक पहुंचाने के अपने पैटर्न में बदलाव किया है। पहले जहां पाकिस्तान से सीधे कश्मीर हथियार व विस्फोटक पहुंच रहे थे, वहीं अब यह हथियार पाकिस्तान से वाया पंजाब होकर कश्मीर में लश्कर के आतंकियों तक पहुंच रहे हैं।

आतंकी संगठन लश्कर के आतंकियों तक हथियारों की आपूर्ति का काम बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े खालिस्तानी आतंकी द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। खालिस्तानी आतंकी द्वारा देश में अन्य आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल नेटवर्क तक पहुंचाने के बारे में खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिला है। खुफिया जांच एजेंसियों ने सुरक्षा जांच एजेंसियों को लश्कर कमांडर जुनैद के कश्मीर आने व स्लीपर सेल एक्टिव कर कुलगाम में गुप्त बैठक करने की सूचना दी थी।

पहले छोटे हथियारों की तस्करी करता था रमन

बब्बर खालसा का वांटेड खालिस्तानी आतंकी रमनदीप सिंह उर्फ रमन पंजाब के फिरोजपुर का रहने वाला है। रमनदीप सिंह उर्फ रमन को एनआईए ने भगोड़ा घोषित किया हुआ है और वह एक वांटेड आतंकी है। एनआईए की केस फाइलों से पता चलता है कि रमन पहले देसी पिस्तौल व कई अन्य हथियारों की देशभर में तस्करी करता था। रमन अभी फरार चल रहा है।

खालिस्तानी आतंकी के जरिए लश्कर को मिल रहे हथियार

बब्बर खालसा इंटरनेशनल और खालिस्तान लिब्रेशन आर्मी के लिए काम करने वाले खालिस्तानी आतंकी रमनदीप सिंह उर्फ रमन ने अपने तस्करी नेटवर्क के जरिये पाकिस्तान से घातक हथियार व आईईडी मंगवाए थे। रमन के नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए लश्कर ने पंजाब में हथियार खरीदे और इन्हें कश्मीर में लश्कर तक पहुंचाया।

कश्मीर में तस्करी के चैनल खत्म

जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने के बाद बीएसएफ व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की सख्ती का असर दिखने लगा है। खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के अनुसार लश्कर-ए-तैयबा ने कश्मीर में छिपे अपने स्लीपर सेल के आतंकियों तक हथियार आपूर्ति के पैटर्न को बदला है। अब आतंकी संगठन अपने आतंकियों तक हथियारों की आपूर्ति के लिए पाकिस्तान पोषित एक अन्य आतंकी संगठन बीकेआई की मदद ले रहा है। अब कश्मीर में हथियार पाक से सीधे नहीं पहुंच रहे, बल्कि उन्हें पहले पाक से तस्करी के जरिये पंजाब भिजवाया जा रहा है और पंजाब से खालिस्तानी आतंकी कश्मीर में हथियार पहुंचा रहे हैं।

बाबा रामदेव को आदेश, सभी शिकायत कर्ता को मामले में पक्षकार बनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाबा रामदेव ने कोविड महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाईयों को लेकर की गईं कथित टिप्पणियों के मामले में आपराधिक कार्रवाई पर रोक की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव को उनके खिलाफ शिकायत करने वाले सभी शिकायतकर्ता को मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है।

पटना और रायपुर के आईएमए ने साल 2021 में बाबा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि बाबा की कथित टिप्पणियों से लोगों को एलोपैथिक दवाईयों से मोहभंग हुआ और लोगों ने सही से इलाज नहीं कराया। इसकारण कोरोना को नियंत्रित करने में परेशानी हुई। बाबा की याचिका पर सुनवाई कर जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस वराले की पीठ ने शिकायतकर्ताओं को पक्षकार बनाने को कह दिया। कोर्ट ने मामले पर सुनवाई गर्मियों की छुट्टियों के बाद तक के लिए टाल दी है।

बिहार सरकार की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील ने कहा कि उन्हें मामले में जवाब दाखिल करने के लिए कुछ और समय चाहिए। बाबा ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार, बिहार सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार और आईएमए को पक्षकार बनाया हुआ है। बाबा रामदेव ने साल 2021 में अपने एक बयान में कहा था कि वे एलोपैथिक दवाओं पर विश्वास नहीं करते हैं। बाबा रामदेव के बयान से नाराज होकर उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हुए थे।

जेल में केजरीवाल की डाइट और दवा से जुड़ी याचिका पर सुनवाई पूरी, कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, ईडी के आरोप पर केजरीवाल बोले

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली की राउज ऐवन्यू कोर्ट ने केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। केजरीवाल की भोजन और इंसुलिन वाली याचिका पर अब कोर्ट 022 अप्रैल को फैसला सुनाएगा। सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील ने कहा कि अर्जी पर जवाब की कोई जरूरत नहीं है। वहीं ईडी ने कहा कि एम्स के डॉक्टर को केजरीवाल की सेहत की जांच करने दी जाए। इस पर केजरीवाल के वकील ने कहा कि हमको ईडी की सलाह की जरूरत नहीं है। ईडी का इस मामले से कोई लेना देना नहीं है। केजरीवाल का खाना तीन बार चेक किया जाता है। तब उनको खाना दिया जाता है। केजरीवाल की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी, रमेश गुप्ता ने और ईडी की तरफ से जोहेब हुसैन ने दलीलें दीं। सिंघवी ने कोर्ट में बताया कि केजरीवाल के घर से 48 बार खाना आया, उसमें से केवल 3 बार ही आम आए थे।

दिल्ली सीएम के वकील ने कहा कि कोर्ट को जेल प्राधिकरण से पूछना चाहिए कि ईडी को केजरीवाल के खाने की एक एक डिटेल किस प्राधिकरण के तहत दी गई। जेल प्राधिकरण ने किस अधिकार के तहत कोर्ट द्वारा सुझाए गए डाइट के बाहर का खाना क्यों केजरीवाल को देने दिया। इस पर जेल प्राधिकरण ने कोर्ट के समक्ष कहा कि जब केजरीवाल को जेल में लाया गया था तो वह पहले इंसुलिन ले रहे थे। लेकिन बाद में खुद बंद कर दिया था।

जेल प्राधिकरण ने कहा कि केजरीवाल को घर से बना खाना देने में कोई शर्त नहीं थी कि वह फल या कुछ भी खायें। दरअसल, वह डाइट फॉलो नहीं कर रहे हैं। हमें एम्स से भी राय मिली है। इसके मुताबिक उन्हें आम से परहेज करना चाहिए। जेल मैनुअल के अनुसार घर का बना खाना कैदी को नहीं दिया जा सकता है, जब तक कोर्ट की विशेष इजाजत न हो। हमारा सुझाव है कि घर का बना खाना एम्स की रिपोर्ट के अनुसार होना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो हमें यह सुझाव देना पड़ेगा कि जेल मैनुअल के अनुसार घर का बना खाना नहीं दिया जाना चाहिए।

जन हितैषी

इजराइल का ईरान पर हमला विश्व में मचेगा हाहाकार

इजरायल ने ईरान के ऊपर जबाबी हमला कर दिया है। इस जवाबी हमले के बाद सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचना तय है। इजराइल ने ईरान के कई शहरों और एयरपोर्ट पर खतरनाक मिसाइलों से हमला किया है। ईरान के इसाफहान शहर के एयरपोर्ट पर जबरदस्त धमाका सुना गया है। यहीं पर ईरान की न्यूक्लियर साइड भी मौजूद है। इस हमले के दो महत्वपूर्ण प्रभाव सारी दुनिया के देशों में होंगे। पहला कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से तेल के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ेंगे। इसमें दुनिया के वह देश जो इस लड़ाई में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हैं, उनके ऊपर भी इस युद्ध का असर होगा। दूसरा जो देश प्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में भाग लेंगे या समर्थन दे रहे हैं उन देशों को भी इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत के लिए यह बड़ी चिंता का विषय है। भारत के संबंध ईरान और इजराइल दोनों के साथ हैं। गुरुवार की रात को इजराइल ने ईरान के इसाफ़न प्रांत में हमला किया है। यहां पर ईरान के परमाणु ठिकाने और यूरेनियम संवर्धन प्रमुख केंद्र हैं। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे तनाव का मामला संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में भी उठा था। सुरक्षा परिषद भी दोनों देशों के तनाव को कम करने में कोई सार्थक भूमिका नहीं निभा पाई। इजराइल के जवाबी हमला करने के बाद भारत को आर्थिक और सामरिक दृष्टि से बड़ा नुकसान होना तय है। ईरान की फौज ने इजराइल का एक माल वाहक जहाज जप्त करके रखा है। इसमें 25 चालक दल में 17 भारतीय थे। ईरान ने मात्र एक महिला चालक को छोड़ा है। शेष सभी ईरान की हिरासत में हैं। इजराइल और ईरान लंबे समय से एक दूसरे के ऊपर छुटपुट हमले करते रहे हैं। लेकिन अब इस युद्ध में अमेरिका, यूरोपीय देशों के साथ-साथ रूस और चीन भी हस्तक्षेप कर रहे हैं। इस कारण तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बन गई है। 1 अप्रैल को इजराइलियों ने दमिशक में एक ईरानी काउंसलेट पर हमला किया था। इस हमले में ईरान के साथ वरिष्ठ अधिकारी मारे गए थे। इस हमले के बाद ईरान को इजराइल के खिलाफ सीधी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। बदले में गुरुवार की रात इजराइल ने भी ईरान पर सीधा जबाबी हमला कर दिया है। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में तनाव की स्थिति बन गई है।

ईरान के हमले से बचाव के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जॉर्डन और सऊदी अरब इजराइल की मदद में खड़े हुए हैं। दूसरी ओर ईरान की सहायता के लिए रूस और चीन खुलकर सामने आ गए हैं। इजराइल द्वारा गाजा में जिस तरीके का विनाश हमास से युद्ध करने के नाम पर फिलिस्तीनी नागरिकों का किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद की बात को इजराइल ने नहीं माना। उसके बाद से ही स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। 7 अक्टूबर को इजराइल ने हमास के ऊपर हमला किया था। उसके बाद भारत ने सऊदी अरब, ईरान, इजराइल, मिश्र और फिलिस्तीन के नेताओं से युद्ध को रोकने के लिए अपने स्तर पर सभी ने प्रयास किए, लेकिन भारत के कोई भी प्रयास सफल नहीं हुए। इजराइल लगातार हमास पर हमला करता रहा। हजारों लोगों की मौत हो गई। अक्टूबर से अभी तक चल रहे इस युद्ध में इजराइल के हाथ भी कुछ नहीं आया है। फिलिस्तीन और गाजा में भारी नुकसान हुआ। वहां की आम जनता को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा। ऐसा नरसंहार इसके पहले कभी दुनिया के किसी भी देश में देखने को नहीं मिला। इजराइल और हमास के युद्ध में एक साथ हजारों बच्चों और महिलाओं की मौत हुई है। वहां पर भुखमरी फैली हुई है। रेड क्रॉस और अन्य संस्थाएं वहां मदद नहीं पहुंचा पा रही हैं।

भारत के ईरान और इजरायल के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत ने इजराइल से 2। 9 अरब डालर मूल्य के मिसाइल, रडार, निगरानी ड्रोन, लड़ाकू विमान इत्यादि खरीदे हैं। अमेरिका का प्रतिबंध होते हुए भी भारत ने तेल, गैस ईरान से बड़ी मात्रा में खरीदा है। ईरान से कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक भारत है। जिस तरह से ईरान और इजरायल एक दूसरे के ऊपर हमले कर रहे हैं। इसका बड़ा असर कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर होगा। कच्चे तेल और गैस की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढ़ सकती हैं। इसका असर सारी दुनिया के देशों में होगा। जल मार्ग भी बाधित होगा। जिसके कारण आयात और निर्यात को लेकर बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न होगी। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया के देश भयाक्रांत हैं। आश्चर्य की बात यह है, कि संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं शांति बहाल करने में अपना योगदान नहीं दे पा रही हैं। इसने चिंता को और भी बढ़ा दिया है। यूक्रेन और रूस के बीच में पहले ही युद्ध चल रहा है इजराइल और हमास के बीच में भी पिछले 7 महीने से भयंकर युद्ध हो रहा है दुनिया के देश दो भागों में बट रहे हैं परमाणु हमले की आशंका जताई जा रही है ऐसी स्थिति में यदि तृतीय विश्व युद्ध हुआ तो यह अभी तक के विनाश का सबसे बड़ा कारण बनेगा। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के समय लड़ाई के इतने संसाधन और नए-नए तौर तरीके विकसित नहीं थे, लेकिन वर्तमान संदर्भ में एक से एक बढ़कर विनाशकारी हथियार दुनिया के अधिकतर देशों के पास हैं इससे स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

नारा चार सौ पार का, सामना बहिष्कार का ?

देश में चुनावी सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। सत्ताधारी भाजपा जहाँ अब की बार चार सौ पार के नारे के साथ विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने की कोशिश कर रही है वहीं संयुक्त विपक्ष इण्डिया गठबंधन भाजपा की सत्ता में वापसी रोकने के लिये एड़ी छोटी का ज़ोर लगाये हुये है। सत्ता व विपक्ष के बीच हो रहे इस चुनावी दंगल से इतर विभिन्न राज्यों से यह ख़बरें भी आ रही हैं कि आम नागरिकों द्वारा इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों का न केवल बहिष्कार किया जा रहा है बल्कि कई जगह तो हिंसक विरोध से लेकर भाजपा प्रत्याशियों के विरुद्ध प्रदर्शन तक किये जा रहे हैं । कई जगह तो ग्राम वासियों ने बाक़ायदा बहिष्कार व चेतावनी सम्बन्धी साइन बोर्ड भी लगा दिये हैं। तो क्या हरियाणा,पंजाब,उत्तर प्रदेश व उत्तरांचल सहित कई अन्य राज्यों में हो रहे इस तरह के बहिष्कार यह साबित नहीं करते कि भाजपा का चार सौ पार का नारा महज़ एक चुनावी शगूफ़ा है ?

अभी गत 30 मार्च को ही मुज़फ़्फ़र नगर में रात करीब साढ़े आठ बजे खतौली क्षेत्र के मढ़करीमपुर गांव में चुनावी सभा के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के क़ाफ़िले की गाड़ियों पर जमकर पथराव किया गया। ख़बरों के अनुसार इस पथराव में 10 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गये। सभास्थल के समीप की छतों से पथराव शुरू होते ही सभा में भगदड़ मच गई।समाचारों के अनुसार पथराव के साथ ही हमलावरों ने भाजपा व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. बालियान के विरुद्ध नारे बाज़ी भी की। इस पथराव में हमलावरों द्वारा खतौली के पूर्व विधायक विक्रम सैनी की गाड़ी को क्षति ग्रस्त कर दिया गया। भाजपा ने इस घटना को विपक्ष की साज़िश क़रार दिया है। इसी तरह गत 6 अप्रैल को जिस समय रामायण सीरियल के राम अरुण गोविल जिन्हें भाजपा ने मेरठ से पार्टी उम्मीदवार बनाया है वे स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ प्रचार रथ पर सवार होकर रोड शो निकाल रहे उस समय जनता ने उनका जमकर विरोध किया व मुर्दाबाद के नारे लगाये। अरुण गोविल वापस जाओ-वापस जाओ के नारे भी देर तक लगाये गये। उनके रथ को स्थानीय लोगों ने जबरन रोक भी लिया। प्रदर्शनकारी भाजपा व अरुण गोविल के विरुद्ध नारेबाज़ी करते समय अपने हाथों में चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर रथ के आगे खड़े हो गये। और कई जगह चुनाव बहिष्कार के पोस्टर चिपका दिये गये। प्रदर्शनकारी महिलाएं चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर प्रचार रथ के आगे आईं और ग़ुस्साये लोगों ने प्रचार रथ पर चढ़ने का भी प्रयास किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से ही भाजपा के और भी कई उम्मीदवारों के विरोध व उनके बहिष्कार की ख़बरें प्राप्त हुई हैं।

इसी तरह मेरठ से लेकर सहारनपुर तक राजपूत समाज बड़ी बड़ी पंचायतें कर भाजपा को वोट न देने और भाजपा प्रत्याशियों का विरोध करने का आह्वान कर रहा है। पश्चिम यूपी में ठाकुर चौबीसी जो पूर्व में भाजपा का साथ देती रही है उसी ठाकुर चौबीसी ने इसबार भाजपा के बहिष्कार की घोषणा कर दी है। हालांकि राजपूत समाज की नाराज़गी का कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में टिकट वितरण में राजपूत समाज की अनदेखी बताया जा रहा है। राजपूत समाज गाज़ियाबाद से सांसद वी. के. सिंह का लोकसभा टिकट काटने के भी ख़िलाफ़ है। राजपूत उत्थान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सोम तो साफ़ तौर पर घोषणा कर चुके हैं कि हम भाजपा और मुज़फ़्फ़र नगर लोकसभा प्रत्याशी डॉ संजीव बालियान का खुलकर विरोध करेंगे। उनके अनुसार जब ठाकुरों को प्रतिनिधित्व ही नहीं दिया जा रहा तो राजपूत भाजपा को वोट क्यों दें? केवल राजपूत ही नहीं बल्कि त्यागी और सैनी जैसा इस क्षेत्र का प्रमुख समाज भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने कम प्रतिनिधित्व से असंतुष्ट होने की बात कर रहा है। गांव गांव इस आशय के पोस्टर लगे हैं कि पूरे पश्चिमी यूपी में इस बार ठाकुर भाजपा से आर पार करेंगे। इसी तरह सहारनपुर- दिल्ली हाईवे पर स्थित ननौता गांव में गत 7 अप्रैल को हज़ारों की संख्या में राजपूत बिरादरी के लोग इकठ्ठा हुये। इस से भाजपा के भीतर खलबली मच गई। क्षत्रिय समाज की संघर्ष समिति की ओर से नानौता में आयोजित इस सम्मेलन को क्षत्रिय स्वाभिमान महाकुंभ का नाम दिया गया जिसमें पश्चिमी यूपी के कई जिलों सहित राजस्थान और हरियाणा से भी ठाकुर समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। यहाँ तक कि भीड़ ने हाइवे को भी पूरी तरह से जाम कर दिया। इस सभा में वक्ताओं का कहना था कि उनके इतिहास के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। राजनीतिक द्वेष की भावना से राजपूत समाज को कमज़ोर किया जा रहा है। इस महाकुंभ में सम्राट मिहिर भोज और लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे का मुद्दा ज़ोर शोर से उठाया गया। ग़ौर तलब है कि गुर्जर और ठाकुर समाज के लोग सम्राट मिहिर भोज पर अपनी-अपनी जाति का होने का दावा करते आ रहे हैं। जिसे लेकर दोनों ही समाज में एक दूसरे के प्रति असंतोष है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और भी कई जगह इस तरह की महापंचायत करने का निर्णय लिया गया है। उत्तरांचल में अनेक लोगों ने गंगा किनारे खड़े होकर भाजपा को हारने का संकल्प लिया। उनका असंतोष अंकिता भंडारी को न्याय न मिलने और अग्निवीर योजना लागु करने को लेकर था।

हरियाणा के भी कई क्षेत्रों में न केवल भाजपा का विरोध हो रहा है बल्कि सत्ता में भाजपा की मनोहर लाल खट्टर सरकार की लगभग चार वर्षों तक सहयोगी रही जननायक जनता पार्टी (जजपा) का भी जमकर विरोध किया जा रहा है। ग्रामीण इन्हें किसान विरोधी पार्टी के रूप में देख रहे हैं। हरियाणा के जींद ज़िले के दुराना गांव के ग्रामीणों ने गांव के बाहरी इलाक़े में एक साइन बोर्ड लगाया हुआ है जिस पर स्पष्ट शब्दों में लिखा गया है कि बीजेपी-जेजेपी नेताओं को इस गांव में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला करते हैं। उन्हें भी 2020-21 में हुये किसान आंदोलन के दौरान उनके अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति किसानों ने नहीं दी थी। संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ़ से तो भारतीय जनता पार्टी के सभी उम्मीदवारों का विरोध करने का निर्णय लिया जा चुका है। ख़बरों के अनुसार इसतरह के व्यापक विरोध को देखते हुए पार्टी नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों के दौर भी बंद कर दिए हैं। हरियाणा के ही ग्राम पंचायत खिड़वाली में गांव के प्रवेश द्वारा पर लगे एक बोर्ड पर ग्रामवासियों ने लिखा है कि ग्राम पंचायत खिड़वाली बी जे पी व जे जे पी के नेताओं का बहिष्कार करती है। गांव में घुसने पर जान माल के ख़ुद ज़िम्मेदार होंगे। पंजाब,हरियाणा सहित और भी कई राज्यों में भाजपा के इसी तरह के खुले विरोध की ख़बरों के बीच यह ख़बर भी आ रही है कि जहाँ विरोध नहीं भी हो रहा वहां भाजपा नेताओं को सुनने के लिये भीड़ भी नहीं इकठ्ठी हो रही। कई जगह पैसे देकर मज़दूरों के हाथों में भाजपा के झंडे थमा कर उन्हें रैलियों में शामिल किया जा रहा है। ऐसे हालात में यह प्रश्न उठना स्वभाविक है कि चार सौ पार का नारा देने वाली भाजपा को आख़िर इस तरह के व्यापक विरोध व बहिष्कार का सामना क्यों करना पड़ रहा है ?(ले?खिका - निर्मल रानी/ ईएमएस)

भारत का सकल घरेलू उत्पाद अगले 50 वर्षों में 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की सम्भावना

गोल्डमेन सेच्स नामक अंतरराष्ट्रीय निवेश संस्थान ने अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि आगे आने वाले 50 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। इस प्रकार भारत इस संदर्भ में अमेरिका को भी पीछे छोड़ते हुए विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक आदि विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने भी आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को 7.2 प्रतिशत रहने की प्रबल संभावनाएं जताईं हैं। जबकि, आज विश्व के कई देश, विशेष रूप से ब्रिटेन, जर्मनी आदि, आर्थिक संकुचन के दौर से गुजर रहे हैं। रूस यूक्रेन युद्ध के चलते कई विकसित देश तो ऊर्जा की कमी के संकट से जूझ रहे हैं। भारत के विदेशमंत्री, डॉक्टर एस जयशंकर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के लगभग समस्त सशक्त देशों के साथ अच्छे सम्बंध बनाने में सफल रहे हैं। आज रूस को भी भारत की आवश्यकता है तो अमेरिका को भी। रूस, भारत को कच्चे तेल एवं सुरक्षा के लिए भारी मात्रा में शस्त्र उपलब्ध कराता है। वर्ष 2022 में भारत ने रूस से 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सामान आयात किया था। वर्ष 2023 में यह बढ़कर 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर होने की प्रबल सम्भावना है। वहीं अमेरिका, भारत को अपना स्ट्रेटेजिक सहयोगी मानता है। आज विश्व की समस्त बड़ी शक्तियां भारत के साथ सौहार्द पूर्ण सम्बंध चाहती हैं। रूस, अमेरिका, यूरोपीयन देश एवं अरब देश भारत के साथ अपने व्यापार को विस्तार देना चाहते हैं। रूस भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो यूक्रेन भी। उधर इजराईल भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो इरान भी। भारत जी-20 समूह का सदस्य है तो भारत यू2आई2 एवं ब्रिक्स का भी सदस्य है। इस प्रकार कुल मिलाकर भारत का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। आज भारत के पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी फौज है। पश्चिमी बॉर्डर पर चीन से युद्ध की स्थिति में भारत आज इससे निपटने को पूर्णतः तैयार है।

भारत के पास आज युवा जनबल है। भारत की 66 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष की कम आयु की है। 40 प्रतिशत जनसंख्या 13 से 35 वर्ष के बीच में है। भारत के पास 35 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। इसके विपरीत चीन, जापान, इटली, फ्रान्स आदि कई देशों की जनसंख्या अब धीमे धीमे कम हो रही है। इन देशों में आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए आज युवाओं की सख्त आवश्यकता है जो पूरे विश्व में केवल भारत ही उपलब्ध करा सकता है। वर्ष 2064 तक भारत की जनसंख्या बढ़ती रहेगी, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार वैश्विक स्तर पर भारत विश्व में विकास के इंजन के रूप में अपनी भूमिका लम्बे समय तक निभाता रहेगा।

उक्त संदर्भ में दूसरा सबसे बड़ा कारण बताया गया है, भारत में हाल ही के समय में किया गया डिजिटलीकरण। इससे देश के ग्रामीण इलाकों में भी नागरिकों की दक्षता एवं उत्पादकता बढ़ गई है। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की वित्तीय एवं बैंकिंग संस्थानों द्वारा भरपूर आर्थिक सहायता की जा रही है इससे यह उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं एवं देश में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहे हैं। पूर्व में केवल बड़े उद्योगों को ही बैकों द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती रही है परंतु भारत में अब यह ट्रेंड बदला है। कोविड महामारी के बाद से तो इस सम्बंध में बड़ा बदलाव देखने में आया है। डिजिटलीकरण के कारण छोटे छोटे व्यवसाईयों की क्रेडिट हिस्ट्री निर्मित हो रही है जिसके कारण बैकों को इन छोटे छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में आसानी हो रही है। 'आधार' ने तो देश के समस्त नागरिकों की एक अलग पहचान ही बना दी है। यूपीआई प्लेटफोर्म ने भी इस संदर्भ में ग्रामीण इलाकों में रोकड़ के उपयोग को कम कर डिजिटल प्लेटफोर्म पर वित्तीय व्यवहारों को हस्तांतरित किया है। छोटे छोटे व्यवसाईयों, किसानों, सामान्य नागरिकों को भी वित्तीय प्लेटफोर्म पर लाने में यह डिजिटलीकरण बहुत सफल रहा है। इससे वित्तीय समावेशन का कार्य भी आसान बन पड़ा है। भारत में डिजिटल व्यवहारों की संख्या आज संयुक्त रूप से अमेरिका, चीन एवं यूरोप से भी अधिक है। जबकि अमेरिका, चीन एवं यूरोप के देश भारत से अधिक विकसित देश हैं। इससे यह झलकता है कि भारत ने डिजिटलीकरण के मामले में पूरे विश्व को पीछे छोड़ दिया है। अब तो भारत का यूपीआई सिस्टम अमेरिका के स्विफ्ट पेमेंट सिस्टम को भी पीछे छोड़कर वैश्विक स्तर पर डिजिटलीकरण के मामले में अपनी धाक जमाने की ओर आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत का यूपीआई सिस्टम सिंगापुर, फ्रान्स, श्रीलंका एवं यूएई में लागू किया जा चुका है। भारत के प्रधानमंत्री ने फ्रान्स में भारतीय यूपीआई सिस्टम का उद्घाटन किया था, ताकि फ्रान्स में जाने वाले पर्यटक यूपीआई सिस्टम के माध्यम से फ्रान्स में वित्तीय व्यवहार कर सकें। न्यूजीलैंड में भी यूपीआई को लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

उक्त संदर्भ में तीसरा सबसे बड़ा कारण है चीन के, विस्तरवादी नीतियों के चलते, विश्व के अन्य देशों के साथ लगातार खराब होते सम्बंध। आज विश्व के कई देश चीन के साथ आर्थिक व्यवहार करने से कतराने लगे हैं। यह स्थिति भारत के आर्थिक विकास को गति दे सकती है क्योंकि चीन+1 की नीति का अनुपालन विश्व के कई विकसित देश आज करने लगे हैं एवं ये देश भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में अपनी इकाईयों को स्थापित करते जा रहे हैं। ताईवान आदि देशों पर चीन की नीति की पूरे विश्व में भर्त्सना हो रही है। चीन के अपने बॉर्डर पर लगने वाले लगभग समस्त देशों के साथ चीन के सम्बंध अच्छे नहीं हैं। इन देशों का चीन पर अब भरोसा समाप्त सा होता जा रहा है। ऐपल एवं टेस्ला जैसी कम्पनियां अब भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित कर रही हैं। ऐपल ने तो अपने आईफोन-15 का उत्पादन भारत में चालू भी कर दिया है। इससे भारत में न केवल रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं बल्कि विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है। आज भारत में विदेशी मुद्रा भंडार 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। साथ ही, आज भारत का पूंजी बाजार (स्टॉक मार्केट) विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

भारत द्वारा अपने बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भारी भरकम राशि खर्च की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का बजट बुनियादी ढांचे के लिए निर्धारित किया गया है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि इस मद पर खर्च की गई थी। अयोध्या, वाराणसी, उज्जैन, हरिद्वार, जम्मू कश्मीर जैसे अन्य कई धार्मिक स्थलों को विकसित किया जा रहा है ताकि धार्मिक पर्यटन को भारत में बढ़ावा दिया जा सके। इन शहरों के बुनियादी ढांचे का अतुलनीय विकास किया जा रहा है। जिससे रोज़गार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। एयरपोर्ट की संख्या पिछले 10 वर्षों में दुगने से भी अधिक होकर 150 तक पहुंच गई है और इसे वर्ष 2025 तक 200 की संख्या तक ले जाया जा रहा है। रेल्वे का विद्युतीकरण किया गया है। रेलगाड़ियों की स्पीड बढ़ाई गई है, जिससे देश में कार्यक्षमता के स्तर में सुधार हो रहा है। भारत के बड़े शहरों में मेट्रो रेल का जाल बिछाया जा रहा है। आज भारत का रोड नेट्वर्क चीन से भी अधिक होकर विश्व में केवल अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है। भारत सरकार की वर्ष 2024 से वर्ष 2030 के बीच देश के बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि खर्च करने की योजना है। इस प्रकार भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, ऐसी सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। (लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

क्या भाजपा इस बार कुछ डरी-सहमी है...?

(महासमरः 2024)

विश्व के देशों के लिए 'आदर्श' माना गया भारतीय लोकतंत्र आखिर एक दशक के एक पार्टी के शासन के बाद अगले चुनाव में डरा-सहमा सा नजर क्यों आता है? यह सवाल प्रधानमंत्री मोदी के पार्टीजनों के नाम लिखे ताजा पत्र में एक बार फिर उभरकर सामने आया है, मोदी जी ने पार्टी कार्याकर्ताओं के नाम लिखे अपने ताजा पत्र में इस चुनाव को 'असामान्य' बताया है तथा उम्मीदवारों से सचेत रहने की अपील की है।

वैसे भारतीय राजनीति के लिए यह घटना कोई अजूबा या असामान्य नही है यहां का इतिहास रहा है कि आजादी के बाद शासन के दस साल पूरे करने वाले हर प्रधानमंत्री के मन में अपने शासन को लेकर इस तरह के सवाल पैदा हुए है और उन्होंने उन्हें हल करने का प्रयास भी किया है, फिर चाहे नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह जैसे प्रधानमंत्री हो या स्वयं भाजपा के मोदी जी। आजादी के बाद से अब तक पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू उनके बाद उनकी बेटी इंदिरा जी और उनके बाद डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने शासन के दस साल पूरे किये, नेहरू और इंदिरा जी तो डेढ़ दशक से भी अधिक समय तक प्रधानमंत्री रहे और वे भी अपने शासन के दौरान उठाये गये कदमों के प्रति आशंकित रहे, नेहरू के सामने जहां अंग्रेजों के शासन के फैसलों को देशहित में संशोधित करने की चुनौती थी वहीं इंदिरा जी के सामने अपनी गिरती साख की चुनौती थी, जिसका उन्होनें देश में आपातकाल लागू कर निपटने का प्रयास किया, जहां तक तीसरे कांग्रेस प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का सवाल है, उनके हाथों से तो एक दशक के बाद सत्ता ही फिसल गई और वे मोदी जी की झोली में आ गिरी, अब मोदी जी का सत्ता का दशक पूरा हो रहा है और अब उनके सामने सत्ता की अहम चुनौती है, इसलिए यह लोकसभा चुनाव उनके लिए किसी 'अग्निपरीक्षा' से कम नही है, यद्पि इस बार कांग्रेस की चमक कम हो जाने के कारण उनके सामने क्षेत्रिय दलों की विशेष चुनौती नही है, क्योंकि देश में सिर्फ कांग्रेस और भाजपा को ही 'राष्ट्रीय दल' का दर्जा प्राप्त है, शेष सभी क्षेत्रिय दल है, फिर भी मोदी द्वारा चिंतित होकर पार्टी उम्मीदवारों और सामान्य सदस्यों को इस तरह का पत्र लिखा जाना हर राजनीतिक चिंतक के लिए सोचने-विचारने को मजबूर तो करता ही है और फिर मोदी द्वारा इन चुनावों को 'असामान्य' बताना इस बार की भावी चुनौतियों को स्पष्ट करता है यही आज विशेष चर्चा का विषय है।

भाजपा और एनडीए की उम्मीदवारों को चुनावों की अंतिम घड़ी में प्रधानमंत्री द्वारा ऐसा पत्र लिखना उनकी किन आशंकाओं को उजागर करता है? एक तो इस चुनाव को 'असामान्य' बताया और दुसरे सचेत रहने की अपील की, इन दोनों उनकी धारणाओं के पीछे आखिर कारण क्या है? फिर उनका अपनो को कांग्रेस के पांच दशक की राज की याद दिलाना उसकी मुश्किलें गिनवाना, आखिर भारतीय मौजूदा राजनीति में क्या स्पष्ट करता है? फिर स्वयं की तारीफ में यह कहना कि पिछले दश वर्षों के उनके शासन में कई परेशानियां दूर हुई किंतु फिर भी अभी बहुत कुछ काम बाकी है यह कहकर उन्होंने स्वयं अपने लिए एक ओर शासनकाल की अपील की है, साथ ही भाजपा के सभी सदस्यों व उम्मीदवारों को 'साथी-कार्यकर्ता' सम्बोधित कर उन्होंने आत्मीयता का परिचय देने का प्रयास भी किया है। वे अपने इस पत्र को देश के सभी हिस्सों की क्षेत्रिय भाषा में जन-जन तक पहुंचाना चाहते है।

इस प्रकार इस चुनावी बेल में मोदी जी का यह पत्र न सिर्फ अपनी पार्टी बल्कि भारतीय राजनीति में भी अहम स्थान रखता है। जिसें कई अर्थों में देखा-परखा जा सकता है। (लेखक-ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 7982

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -7981 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सोच समझकर करें मतदान!

सोच समझकर करें मतदान
मणिपुर का भी कर ले ध्यान
किसानों की शहादत याद करें
झूठे वायदों पर सवाल करें
रोजगार किसी को मिला नही
भ्र्ष्टाचार कही पर थमा नही
महंगाई से जीना दूभर हुआ
मजदूरों का भला हुआ नही
पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा
वर्षो से जजों की कमी का मुद्दा
ईडी-सीबीआई दुरुपयोग हुआ
जो सत्ता के साथ वह दूध धुला
संविधान बदलने की है तैयारी
देश बचा लो विपदा है भारी
यही समय है निर्णय लेने का
भारत माँ की लाज़ बचाने का
घर पर न बैठे मतदान करें
परिवर्तन का अब आगाज़ करें
गोडसे नही गांधी को जिताओ
फिर से एक नया भारत बनाओ।

(लेखक - श्रीगोपाल नारसन/ईएमएस)

खेल - समाचार

जहीर ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाये

ऑलराउंडर की भूमिका करता है कम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पर सवाल उठाये हैं। 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियत पिछले सत्र से लागू किया गया था। इसमें सभी आईपीएल टीम को मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बदलने की अनुमति होती है। वहीं जहीर ने कहा कि यह नियम एक ऑलराउंडर की भूमिका को कम करता है। साथ ही कहा कि शिवम दुबे को उनकी टीम सीएसके ने केवल पावर हिटर के रूप में इस्तेमाल किया है जबकि वह मध्यम गति के गेंदबाज भी हैं और टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के एक बेहतर विकल्प हो सकते हैं पर उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर नहीं मिल पा रहा है।

जहीर ने कहा, 'मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं कि इसपर बात होनी चाहिये, इसको लेकर थोड़ी चिंताएं भी हैं। इसलिए हमें इससे निपटने का तरीका तलाशना होगा। इम्पैक्ट प्लेयर नियम से आपको भविष्य में कामचलाऊ ऑलराउंडर ही मिलेंगे।'जहीर का मानना है कि मोहम्मद सिराज को टी-20 विश्व कप टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ आना चाहिए। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी टीम में शामिली किया जाना चाहिये।

उन्होंने कहा, 'टीम का चयन अब भी दो सप्ताह दूर है पर अर्शदीप एक गंभीर दावेदार है और चयनकर्ताओं की नजरें उस पर बनी हुई हैं। इसके अलाव खलील अहमद, मोहसिन खान और यश दयाल पर भी नजरें रहेंगी।'

टॉस में सिक्का दूर उछालने को लेकर बढ़ रहे विवाद

मुम्बई (ईएमएस)। क्रिकेट में आजकल टॉस को लेकर विवादों के मामले बढ़ते जा रहे हैं। आईपीएल में भी कुछ मैचों में इसको लेकर विवाद उठा था। जब मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांडया ने सिक्के को दूर उछाल दिया तो सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस टॉस में गड़बड़ की शिकायत करने लगे थे। रहे थे। यह मामला और बढ़ गया जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने भी इसको लेकर सवाल उठाये क्योंकि वह इसके देख नहीं पाये थे और उससे पहले ही मैच रैफरी ने इसके उठा लिया था। वहीं पंजाब और मुंबई इंडियंस मुकाबले में इस विवाद को कैमरामैन ने अपनी सूझबूझ से तत्काल समाप्त कर दिया। मैच के दौरान जब सिक्का उछाला गया तो कैमरे से सिक्का दिखाया गया कि यह हेड है या टेल। गौरतलब है कि टॉस को लेकर गतवर्ष हुए क्रिकेट विश्व कप के दौरान भी एक मैच में पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने सवाल किये थे।

पाक खिलाड़ियों ने आरोप लगाया था कि प्रत्येक मैच में टॉस अहम होता है पर इसके ज्यादातर भारत के कप्तान ही जीत रहे हैं। उन्होंने तब आरोप लगाया कि रोहित गलत तरीके से सिक्के को फेंकते थे। ये आरोप लगाया गया कि रोहित टॉस के समय सिक्के को पिच से दूर फेंक देते थे। इसके बाद सिक्का उठाने वाला मैच रैफरी ही बताता था कि हेड आया है या टेल। कहा गया कि सिक्का जब गिरता है तो इसे कैमरे से दिखाया जाना चाहिए।

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम ने तीन सौ से अधिक का लक्ष्य हासिल कर बनाया रिकार्ड

अट्टापटू ने नाबाद 195 रन बनाये, दक्षिण अफ्रीकी छह विकेट से हारी

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। कप्तान चमारी अट्टापटू के नाबाद 195 रनों की सहायता से श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम को 6 विकेट से हरा दिया। इस प्रकार 3 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई।

इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने तीन सौ से अधिक रनों का लक्ष्य हासिल कर नया विश्व रिकार्ड बनाया। श्रीलंकाई टीम ने ये मुकाबला तय ओवरों से पहले ही हासिल कर लिया। ये पहली बार है जबकि एकदिवसीय क्रिकेट में किसी महिला टीम ने 300 या इससे ज्यादा रन बनाये हैं। अट्टापटू ने इसी के साथ ही एकदिवसीय में रनों का पीछा करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। वहीं इससे पहले पुरुष क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल ने पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 201 रन बनाये थे।

महिला एकदिवसीय क्रिकेट में यह लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ा स्कोर है। इसी के साथ ही श्रीलंकाई टीम ने 11 साल पुराना एक रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने साल 2012 में 289 रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। अट्टापटू इस इस पारी के दौरान अपना ही पिछला रिकार्ड तोड़ा। वह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन की पारी खेलने वाले बल्लेबाजों में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी हैं। उन्होंने 139 गेंदों पर नाबाद 195 रन बनाए। अट्टापटू ने अपनी मैराथन पारी में 26 चौके और 5 छक्के लगाए।

अट्टापटू का इससे पहले सबसे अधिक स्कोर नाबाद 178 रन था जो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 29 जून 2017 को ब्रिस्टल में बनाया था। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लॉरा वाल्वार्ट के नाबाद 184 रन की मदद से 5 विकेट पर 301 रन बनाए थे।

दोहा में 19 से 29 अप्रैल तक होगा निशानेबाजी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट

दोहा (ईएमएस)। दोहा में 19 से 29 अप्रैल तक निशानेबाजी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा। इसमें 12 सदस्यीय भारतीय शॉटगन टीम में श्रेयसी सिंह, मेराज अहमद खान और गनेमत सेखोंच को भी शामिल किया गया है। भारतीय निशानेबाज श्रेयसी , मेराज के अलावा गनेमत सेखों के पास इसमें अब ओलंपिक क्वालीफाई करने अंतिम अवसर है। ये तीनों ही निशानेबाज इस क्वालीफाइंग स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेंगे। इस प्रतियोगिता में चार कोटा तय होंगे। इसमें पुरुष और महिला टीम के लिए ट्रैप एवं स्कीट में एक एक कोटा शामिल रहेगा।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने जुलाई अगस्त में होने वाले ओलंपिक से पहले कई महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए टीम की घोषणा की। भारतीय पुरुष ट्रैप में पृथ्वीराज टोंडाईमान और विवान कपूर जबकि महिला ट्रैप के लिए श्रेयसी और मनीषा कीर और मेराज और शीराज शेख पुरुष स्कीट और गनेमत और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट में शामिल होने वाले नियमित निशानेबाज हैं। पुरुषों की ट्रैप प्रतियोगिता के लिए जोरावर संधू, महिलाओं की ट्रैप में नीरू, पुरुष स्कीट में अंगद बाजवा और महिला स्कीट में अरीबा खान को भी पेरिस कोटा हासिल करने का मौका मिलेगा।

ओलंपिक की तैयारी के लिए अब हर दिन अहम,स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : हरमनप्रीत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए अब काफी कम समय बचा है। ऐसे में अब अभ्यास के लिए हर दिन बेहद महत्वपूर्ण है। इसी कारण अब हमें प्रशिक्षण सत्र के समय का अच्छी प्रकार से इस्तेमाल करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी कांस्य पदक है और उसका लक्ष्य इस बार उसके रंग में बदलाव करना रहेगा। हरमनप्रीत ले कहा कि टीम अभी ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटी है जहां उसे उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं मिली। भारतीय टीम को इस दौरे में 0-5 से हार का सामना करना पड़ा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। ऐसे में एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक की उल्टी गिनती शुरु हो गयी है। इसी कारण अब टीम जोश से भरी हुई है। उन्होंने कहा, 'स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होने से टीम की एकजुटता लगातार बढ़ी है। वहीं टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने भी तैयारी के लिए एक साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किया है। गौरतल है कि भारतीय टीम ने गत वर्ष एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

वहीं उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि पेरिस खेलों से पहले टीम को अपनी कमजोरियों को ठीक करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से हमें उन चीजों के बारे में पता चला जिनमें हमें सुधार करना है। हम अभ्यास शिविर में लौटने के बाद इसपर ध्यान देंगे। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते हर मामले को हल कर दें।

उन्होंने कहा, 'हम बचे हुए 100 दिनों में से हर दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे जिससे यह तय हो सके कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की हमारी इच्छा पूरी हो। गौरतलब है कि पेरिस ओलंपिक में भारत को पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ रखा गया है। इसमें भारतीय टीम अपना अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद ,सेंसेक्स 600 , निफ्टी भी 151 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे पिछले दिनों से जारी गिरावट रुक गयी है। शेयर बाजार में लगातार चार दिन से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। विदेशी निवेशकों की शॉर्ट कवरिंग से भी बाजार को बल मिला। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 599.34 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 73,088.33 अंक पर बंद हुआ। मध्यपूर्व में तनाव से भी बाजार पर प्रभाव नहीं पड़ा है। इजराइल द्वारा ईरान में हमला से शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स नीचे आया थ पर बाद में इसमें बढ़त आने लगी। सेंसेक्स में आज 71,816.46 और 73,210.17 के रेंज में कारोबार हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 151.15 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 22,147.00 अंक पर बंद हुआ। इसमें 21,777.65 और 22,179.55 के बीच कारोबार हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले खराब संकेतों की वजह से घरेलू बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। इस दौरान सेंसेक्स करीब 600 अंक टूटकर 72000 के नीचे आ गया है, वहीं निफ्टी भी 150 अंक गिरकर 21800 के स्तर पर शुरुआती कारोबार कर रहा था। इस प्रकार लगातार चौथे दिन बेंचमार्क सूचकांक गिरावट पर बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 455 अंक कमजोर हुआ। वहीं निफ्टी में भी 152 अंक की गिरावट दर्ज की गई। जानकारों ने कहा कि नीतिगत दर में कटौती की उम्मीदें धूमिल होने और घरेलू बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों की बेरुखी से भी शुरुआती कारोबार में निवेशकों की धारणा को कमजोर किया

सोना 73 हजार, चांदी 83 हजार के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै?श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में सोने के वायदा भाव में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 35 रुपये की तेजी के साथ 72,718 रुपये के भाव पर खुला। जो इस समय 47 रुपये की तेजी के साथ 72,730 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 522 रुपये की तेजी के साथ 83,795 रुपये के भाव पर खुला। जो इस समय 78 रुपये की तेजी के साथ 83,351 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,394 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,398 डॉलर था। इस समय यह 4.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,402.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.31 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.38 डॉलर था। इस समय यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 28.26 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगी दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को आईपीएल के 35वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। पिछले मैच में गुजरात टाइंटस पर जीत से उत्साहित दिल्ली कैपिटल्स अपने घरेलू मैच में ये मैच जीतकर अपनी लय बरकरार रखना चाहेगी। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दिल्ली ने खराब शुरुआत के बाद लगातार दो जीत से अंकतालिका में अपनी स्थित बेहतर की है। पिछले मैच में उसकी गेंदबाजी में भी काफी सुधार आया है। इसके अलावा टीम के कप्तान ऋषभ पंत लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। पिछले मैच में ऋषभ ने शानदार विकेटकीपिंग के साथ ही कप्तानी कौशल भी दिखाया था। इस मैच में दिल्ली के गेंदबाज किस प्रकार सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाते हैं। ये देखना होगा। सनराइजर्स ने अब तक जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए लगातार दो बार आईपीएल इतिहास का सबसे अधिक स्कोर बनाया है। हैदराबाद की टीम ने अपने 6 मैचों में से 4 में जीत हासिल की है और वो इस वक्त अंक तालिका में चौथे नंबर पर हैं। वहीं दिल्ली की टीम ने लगातार दो जीत हासिल की हैं और वो अंक तालिका में छठे स्थान पर हैं। दोनों टीमें अब तक 23 बार आमने-सामने आई हैं, जिसमें से दिल्ली ने 12 और हैदराबाद ने 11 मैच जीते हैं। दोनों ही टीमें अभी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

पिछले दो मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ और गुजरात को हराया है। ऐसे में कैपिटल्स अपनी टीम में शायद ही कोई बदलाव करे। इस मैच में डेविड वॉर्नर फिट हुए तो उतर सकते हैं पर इसके अलावा अंतिम 11 में कोई और बदलाव नजर नहीं आ रहा है।

वहीं सनराइजर्स हैदराबाद इस सत्र में धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण गेंदबाजों के लिए खौफ बनी हुई है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली इस टीम ने अपने लगातार 3 पिछले मैच जीते हैं। पिछले मुकाबले में तो उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 287 रन बनाकर जीत हासिल की थे। इसको देखते हुए कैपिटल्स के गेंदबजों को बेहद कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी। दिल्ली के गेंदबाज भी इस अच्छी लय में हैं, ऐसे में हैदराबाद की राह भी आसान नहीं रहेगी। दिल्ली ने गुजरात को पिछले मैच में 89 रन पर ही समेट दिया था। हैदराबाद ने भी पिछला मैच जीता था। इसलिए उसकी टीम में भी बदलाव की उम्मीद नहीं है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। इसमें टॉस की भी अहम होगी और जीतने वाली टीम लाभ में रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), पृथ्वी शॉ, डेविड वॉर्नर/सुमित कुमार, जैक फ्रेसर मैक्गर्क, शे होप, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, ईशांत शर्मा और खलील अहमद।

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान) , अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, एडन मार्करम, अब्दुल समद, नीतीश कुमार रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट और टी नटराजन।

दिग्गज कंपनी तोशीबा ने 5 हजार कर्मचारियों को दिखाया बाहर का रास्ता?

नई दिल्ली(ईएमएस)। तोशिबा जापानी कंपनी है। इसका कारोबार दुनिया के कई देशों में फैला हुआ है। कंपनी लैपटॉप, राइस कुकर और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ कई अन्य सेक्टर में कारोबार करती है। इस दिग्गज कंपनी ने जापान में 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। यह कंपनी के कुल वर्कफोर्स का 10 प्रतिशत है। तोशीबा की ओर से ये फैसला कंपनी के परिचालन पुनर्गठन के चलते लिया गया है। कंपनी इंफ्रा और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर्स पर फोकस करना चाहती है। हाल के वर्षों में जापान में होने वाली ये सबसे बड़ी छंटनियों में से एक है। इसका असर जापान के कॉरपोरेट कल्चर पर होगा, जहां मजबूत श्रम कानूनों के चलते छंटनी होना कोई आम बात नहीं हैं। जापान में नौकरी पेशा और युवा लोगों की अन्य देशों के मुकाबले कमी है। निक्केई की रिपोर्ट है कि शिसीडो, ओमरोन और कोनिका मिनोल्टा सहित अन्य प्रमुख जापानी कंपनियों ने भी हाल ही में कर्मचारियों की कटौती की घोषणा की है।

बता दें, तोशीबा जापान की बड़ी नियोक्ता कंपनियों में से एक है लेकिन हाल के वर्षों में कंपनी को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। कंपनी में कई प्रकार के मैनेजमेंट और घोटाले सामाने आए हैं। 2015 में सामने आए घोटले और मैनेजमेंट के इश्यू के चलते कंपनी को बड़ा झटका लगा था, जिसके बाद से कंपनी उभरने का प्रयास कर रही है। इस कारण कंपनी को बड़ा जुर्माना भी देना पड़ा था। जापानी मीडिया निक्केई के मुताबिक, तोशीबा न्यूक्लियर टरबाइन, बैटरी और क्वांटम टेक्नोलॉजी आदि में कारोबार करती है। कंपनी को छंटनी के कारण कई तरह के फायदे कर्मचारियों को देने पड़ेंगे और इस कारण कंपनी को करीब 650 मिलियन डॉलर आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा।

आईआईटी कानपुर में बना स्वदेशी स्मार्ट वेंटीलेटर

कानपुर (ईएमएस)। आईआईटी कानपुर के इनक्यूबेशन सेंटर से जुडे स्टार्टअप, नोक्कर्क ने स्मार्ट स्वदेशी वेंटीलेटर तैयार किया है। चिकित्सा के क्षेत्र में अति गंभीर मरीजों के लिए संजीवनी की तरह जीवन रक्षक साबित होगा। इस वेंटीलेटर से गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती मरीज की रियल टाइम जानकारी, विशेषज्ञ डॉक्टर को 24 घंटे मिलती रहेगी। इस वेंटीलेटर और इसकी तकनीकी का पेटेंट हो चुका है।

पुणे स्थित इस स्टार्टअप कंपनी को चिकित्सा के क्षेत्र में स्टार्टअप के रूप में केंद्र सरकार के दो मंत्रालयों से अनुदान दिया गया है। मोबाइल ऐप पर लोगिन करने के साथ ही वेंटीलेटर के मरीज की सारी जानकारी विशेषज्ञ चिकित्सक को मिलती रहेगी। स्मार्ट वेंटीलेटर के माध्यम से विशेषज्ञ आईसीयू में भर्ती मरीज का उपचार करने के लिए पैरामेडिकल और जूनियर डॉक्टरों को समय समय पर निर्देश भी दे सकेंगे।

अपडेट करने की सुविधा

आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र और स्टार्टअप कंपनी के सह संस्थापक हर्षित राठौर का कहना है। इस वेंटीलेटर की एक ओर विशेषता है। इसमें ओवर द ईयर अपडेट का विकल्प भी मौजूद है। पूरा सिस्टम मोबाइल ऐप की तरह अपने आप अपडेट होता रहता है। अलग से सॉफ्टवेयर अपडेट करने की या किसी इंजीनियर की आवश्यकता नहीं होती है।

60 वेंटीलेटर अस्पतालों में लगे

स्टार्टअप कंपनी ने देश के साथ अलग-अलग अस्पतालों में यह स्मार्ट वेंटीलेटर लगाए हैं। इसकी कीमत 9 लाख रुपए है। अभी तक विभिन्न प्रदेशों में 60 वेंटीलेटर स्थापित किया जा चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है।

छोटे निवेशकों को म्यूचुअल फंड का विकल्प चुनना चाहिए!

मुंबई (ईएमएस)। कुछ दिन पहले बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का संवेदी सूचकांक 75000 अंकों के पार चला गया था। लेकिन बीते लगातार चार सत्र से बाजार में गिरावट का माहौल है। बीएसई का संवेदी सूचकांक गुरुवार को 72488 अंक पर बंद हुआ। ऐसे में छोटे निवेशक घबरा जाते हैं। इसलिए पूंजी बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटे निवेशकों को सीधे शेयर बाजार में कूदने के बजाए म्यूचुअल फंड के रास्ते प्रवेश करना चाहिए। इससे उन्हें पूंजी बाजार में निवेश का फायदा भी मिलता है और किसी गिरावट में भारी नुकसान भी नहीं होता है। म्यूचुअल फंड में जब इक्विटी निवेश की बात आती है, तो निवेशकों के पास लार्ज, मिड और स्मॉल कैप के बीच चयन करने का विकल्प होता है। पिछले एक साल में मिड और स्मॉल कैप ने बेहतर रिटर्न दिया है, परिणामस्वरूप, आज वो महंगे हो गए हैं।

आपको जानकर होगी हैरानी,यहां हर दिन हवा में उड़ रहा लाखों का सोना

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। सोना यानी गोल्ड दुनिया की सबसे कीमती धातुओं में से एक है। वैसे सोने को खदानों से निकाला जाता है और काफी मेहनत के बाद आभूषण आदि बनाए जाते हैं। लेकिन धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां रोज 5 लाख का सोना हवा में उड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंटार्कटिका में माउंट एरेबस नाम का एक ज्वालामुखी है, जो रोजाना लगभग 80 ग्राम क्रिस्टलीकृत सोने से युक्त गैस वायुमंडल में छोड़ रहा है। इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 6000 डॉलर यानी लगभग 5 लाख है। अब, आपको बस वहां पहुंचना है। लेकिन यहां पहुंचना इतना आसान नहीं। क्योंकि यह इलाका धरती के सबसे दक्षिण में मौजूद ज्वालामुखी स्पिवर से 621 मील दूर है। यह पूरी तरह बर्फ से ढंका हुआ है और 12,448 फीट की ऊंचाई पर है।

नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन अर्थ ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, यहां बर्फीले ज्वालामुखी से लगातार गैस निकल रही है, जिसमें सोने के अलावा और भी कई कीमती धातुएं हैं। बीच-बीच में कभी, कभी यह चट्टान भी उत्सर्जित करता है। प्रोफेसर कॉनर बेकन ने बताया, एरेबस ज्वालामुखी 1972 से लगातार विस्फोट कर रहा है। इसके शिखर में लावा भरा हुआ है, जो इसकी सतह पर पिघले पदार्थों से मिलकर बना है। यह वास्तव में काफी दुर्लभ है। बर्फ से ढंके होने के बावजूद यह सतह कभी नहीं जमती। हालांकि, इसके बारे में काफी कुछ समझा जाना बाकी है।

बेकन के अनुसार, एरेबस और डिसेप्शन द्वीप के बारे में पता लगाना काफी मुश्किल काम है। क्योंकि यहां पहुंचते ही तमाम उपकरण काम करना बंद कर देते हैं। यहां पल-पल भूकंप आते हैं। कुछ महीनों पहले वैज्ञानिकों को यहां बर्फ के नीचे खारे पानी की नदी मिली थी, जो तकरीबन एक किलोमीटर फैली हुई है। नदी बनने के पीछे मान्यता है कि करीब 7000 से 5000 साल पहले जब समुद्र यहां हुआ करता था।

भारतीय मूल के प्रोफेसर को जापानी विश्व विद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय फेलो के रुप में चुना

ह्यूस्टन (ईएमएस)। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के 'कुलेन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग' में सेवारत, 'ग्लोबल एनर्जी पुरस्कार विजेता, भारतीय मूल के प्रोफेसर कौशिक राजशेखर को जापान की इंजीनियरिंग अकादमी के अंतरराष्ट्रीय फेलो के रूप में चुना गया है। विश्वविद्यालय ने इसकी जानकारी दी।

इस संबंध में कहा गया कि मूल रूप से कर्नाटक के एक छोटे से गांव के रहने वाले प्रोफेसर राजशेखर को बिजली रूपांतरण और परिवहन के विद्युतीकरण में उनके योगदान के लिए चुना गया हैं अकादमी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फेलो के रूप में राजशेखर का चयन विशेष रूप से ''उस ऊर्जा में उनके उत्कृष्ट वैज्ञानिक अनुसंधान और वैज्ञानिक-तकनीकी क्षेत्र में उनके योगदान का सम्मान करता है जो संपूर्ण मानव जाति के हित में पृथ्वी पर ऊर्जा स्त्रोतों के लिए अधिक दक्षता और पर्यावरणीय सुरक्षा को बढ़ावा देती है।''

राजशेखर ने कहा, ''जापान की इंजीनियरिंग अकादमी के अंतरराष्ट्रीय फेलो के रूप में चुने जाने पर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसका मैं बहुत सम्मान करता हूं।राजशेखर को 2022 में 'ग्लोबल एनर्जी एसोसिएशन ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा के क्षेत्र के सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार 'ग्लोबल एनर्जी पुरस्कार' से सम्मानित किया था।

राष्ट्रपति जरदारी ने संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राग कश्मीर अलापा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित कर कश्मीर मुद्दा उठाया और दक्षिण एशिया में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए इसका समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सांसदों द्वारा सरकार के खिलाफ की जा रही नारेबाजी के बीच, राष्ट्रपति जरदारी ने राजनीतिक नेताओं से नकदी संकट से जूझ रहे देश के समक्ष चुनौतियों से निपटने के लिए ध्रुवीकरण की राजनीति छोड़ने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति जरदारी ने कश्मीर को लेकर कहा कि भारत को पांच अगस्त, 2019 के बाद से उठाए गए सभी कदमों को वापस लेना चाहिए और कश्मीर के लोगों को अपना भविष्य तय करने अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में विकास के लिए शांति का माहौल आवश्यक है, और कश्मीर मुद्दे का समाधान शांति की कुंजी है। उधर भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट कह दिया हैं कि संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं।

दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए जरदारी ने कहा कि वह एकजुट होकर सभी चुनौतियों से निपटने में राष्ट्र की ताकत में विश्वास करते हैं। जरदारी ने कहा, ''देश को अब ध्रुवीकरण से हटकर समसामयिक राजनीति की ओर बढ़ने की जरूरत है। इस संयुक्त सदन को संसदीय प्रक्रिया में जनता का विश्वास बहाल करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।''

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष जरदारी गठबंधन सरकार के उम्मीदवार थे और उन्होंने पिछले महीने 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। जरदारी ने सभी प्रांतों के लिए अवसरों की समानता पर आधारित एक समावेशी विकास मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेश को आकर्षित करना देश का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मौजूदा नियमों को सरल बनाने और घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए एक माहौल बनाने के लिए कहा।

देश में डीमैट खातों की संख्या 15 करोड़ के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में डीमैट खातों की संख्या 15.1 करोड़ तक पहुंच गई। यह वृद्धि मार्च 2024 में 31 लाख नए डीमैट खाते खुलने के कारण हुई है। एक ब्रोकरेज कंपनी के आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024 में हर महीने औसतन 3.1 मिलियन नए डीमैट खाते खोले गए हैं। यह ट्रेंड पूरे साल जारी रहने की उम्मीद है। मार्च में भारतीय बेंचमार्क निफ्टी 1.5 फीसदी बढ़ा। इसमें यह बढ़ोतरी मजबूत मैक्रो संकेतों, दर में कटौती की उम्मीदों, निरंतर विदेशी निवेशक इनफ्लो और ओवरऑल पॉजिटिव ग्लोबल मार्केट ट्रेंड के कारण हुआ। इसके अलावा, 2024 के आम चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी जीत की संभावना ने भी निवेशकों को निवेश करने के लिए उम्मीद दी है। एनएसई पर एक्टिव ग्राहकों की संख्या महीने दर महीने 1.8 फीसदी बढ़कर मार्च 2024 में 40.8 मिलियन हो गई। वर्तमान में प्रमुख पांच डिस्काउंट ब्रोकर कुल एनएसई एक्टिव ग्राहकों का 63.8 प्रतिशत हैं, जबकि मार्च 2023 में यह 59.9 प्रतिशत था।

ईरान ने इमरजेंसी बैठक बुलाई, अमेरिका ने कहा हम इसका समर्थन नहीं करते

तेहरान (ईएमएस)। इजरायल ने ईरान पर एयरस्ट्राइक कर उसके कई शहरों को निशाना बनाया है। ईरान हमले का जवाब इजरायल की ओर से दिया गया है। कुछ दिन पहले ईरान ने इजरायल के कई शहरों पर हमले का दावा किया था। अब इजरायल के अटैक के बाद ईरान ने इमरजेंसी बैठक बुलाई है। ईरान ने साफ किया था कि जवाबी कार्रवाई का कोई हमला होता है, तब ईरान चुप नहीं बैठेगा। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा कि इजरायली मिसाइलों ने ईरानी साइट पर हमला किया था, जिसके कुछ घंटों बाद मीडिया ने बताया कि ईरान की हवाई सुरक्षा ने केंद्रीय शहर इस्फहान के ऊपर तीन छोटे ड्रोनों को मार गिराया। ईरानी मीडिया ने इस्फहान में विस्फोटों की सूचना दी, क्योंकि हवाई सुरक्षा सक्रिय कर तेहरान और इस्फहान सहित कई क्षेत्रों में उड़ानें निलंबित कर दी गई थीं।

इस्फहान ईरान का रणनीतिक तौर पर अहम शहर है। जिस पर इजरायल की तरफ से अटैक हुआ है। ईरान के सैन्य अनुसंधान भी इसी शहर में हैं। इसके बाद इस्फहान शहर पर इजरायल के अटैक से तमाम अनुसंधान को नुकसान पहुंचाना मकसद है।

अमेरिकी मीडिया ने बताया कि अमेरिका को इजरायल के कथित हमले के बारे में पहले ही जानकारी थी। हालाँकि, उन्होंने ऑपरेशन का समर्थन नहीं किया या इसमें भाग नहीं लिया। अमेरिका ने कहा था कि वह इजरायल की रक्षा का समर्थन करेगा लेकिन किसी भी आक्रामक अभियान में भाग नहीं लेगा। देश ने ईरान के खिलाफ नए आर्थिक प्रतिबंधों की भी घोषणा की थी। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया, हमने प्रतिक्रिया का समर्थन नहीं किया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने इस्फहान में एयर डिफेंस बैटरियों का इस्तेमाल किया। इजरायली सेना और व्हाइट हाउस ने अब तक आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुए से 2.5 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। गेमिंग उद्योग निकाय ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ) ने कहा कि विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुए से जुड़ी इकाइयां सरकारी खजाने को प्रति वर्ष 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान पहुंचा रही हैं। संगठन ने सरकार से ऐसे मंचों पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। एआईजीएफ के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि विदेशी संस्थाएं अवैध सट्टेबाजी और जुए से विभिन्न खेलों को जोड़ती हैं, जिससे उपयोगकर्ता वैध तथा अवैध गेमिंग के बीच अंतर नहीं कर पाते। अवैध विदेशी इकाइयां उपयोगकर्ताओं को नुकसान पहुंचाती हैं। इससे भारत में वैध उद्योग को भी नुकसान पहुंच सकता है।

विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुआ मंच एक साल में 12 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि एकत्र कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि सरकार को जीएसटी राजस्व में कम से कम 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थाओं ने उपयोगकर्ताओं को लुभाने के लिए मौजूदा आईपीएल सीजन के दौरान विज्ञापनों में वृद्धि की है। उनमें से कुछ इतनी हिम्मत दिखा रहे हैं कि उनके मंच पर कोई जीएसटी या टीडीएस नहीं लगने का बेबाकी से प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध मंचों के खतरे को रोकने में मदद के लिए सरकार को स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) जैसे मॉडल में तेजी लानी चाहिए।

नियमों का उल्लंघन करने वाले बैंकों पर लगा जुर्माना

मुंबई(ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक ने विभिन्न नियामक मानदंडों के उल्लंघन के लिए पांच सहकारी बैंकों पर कुल 60.3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। राजकोट नागरिक सहकारी बैंक पर 43.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना निदेशकों और उनके रिश्तेदारों को कर्ज और अग्रिम पर प्रतिबंध समेत अन्य बातों को लेकर रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन न करने को लेकर लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने द कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली), राजधानी नगर सहकारी बैंक (लखनऊ) और जिला सहकारी बैंक, गढ़वाल (कोटद्वार, उत्तराखंड) पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा जिला सहकारी बैंक (देहरादून) पर दो रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि प्रत्येक मामले में, जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने संबंधित ग्राहकों के साथ किए गए समझौते के किसी भी लेनदेन की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक कंपनी बनी हिंदुस्तान जिंक

नई दिल्ली (ईएमएस)। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक कंपनी बन गई है। कंपनी ने कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार राजस्थान स्थित उसकी सिंदेसर खुर्द खान दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक खान बन गई है। पिछले साल यह चौथे स्थान पर थी। हिंदुस्तान जिंक के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि चांदी वैश्विक ऊर्जा संप्रेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और हिंदुस्तान जिंक के उत्पादन में सालाना पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसका श्रेय अयस्क उत्पादन में वृद्धि और उन्नत ग्रेड को जाता है, जिससे वैश्विक चांदी बाजार में एक प्रमुख कंपनी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। जस्ता, सीसा और चांदी के कारोबार में वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जस्ता उत्पादक और अब तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक है। कंपनी के पास भारत में बढ़ते जस्ता बाजार में 75 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। इसका मुख्यालय उदयपुर में है। इसकी जस्ता, सीसा खदानें और गलाने के परिसर पूरे राजस्थान में फैले हुए हैं।

2025 तक 10 लाख और नौकरियां पैदा होने का अनुमान!, तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स भर्ती मांग में टॉप पायदान पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक अध्ययन के अनुसार भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने मार्च 2024 में भर्ती में 154 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। रिसर्च में पाया गया कि दूरसंचार ?विभाग में भर्ती की मांग सबसे अधिक है, जो कुल भर्ती का 64 फीसदी है। लाइटनिंग और ऑटोमोटिव क्षेत्र क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। क्वीस कॉर्प लिमिटेड ने कहा ?कि भौगोलिक रूप से तामिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स भर्ती मांग में 33 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ टॉप पायदान पर है। कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। एक अध्ययन से पता चला है कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है, खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उनकी भागीदारी ज्यादा है। महिलाएं अब इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग की वर्कफोर्स का 78 फीसदी हिस्सा हैं। उन्हें ऑपरेटरों, क्वालिटी अश्योरेंस प्रोफेशनल्स और टेस्टिंग की नौकरियों में तेजी से भर्ती किया जा रहा है। कुछ कंपनियों में, कुल वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी 80 फीसदी तक है। अध्ययन में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में महिलाओं के रोजगार में वृद्धि के कई फैक्टर्स हैं। जैसे काम का नेचर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अक्सर जटिल असेंबली और छोटे पार्ट्स की सटीक हैंडलिंग शामिल होती है। चूंकि, बारीकी के कामों में महिलाएं पहले से ही बेहतर हैं इसलिए इस क्षेत्र में वे बेहतर कर रही हैं।इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में कई नौकरियां हैं जिनकी हाई डिमांड में हैं, जिनमें शामिल हैं- इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर, इंस्ट्रुमेंटल इंजीनियर, और इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन इंजीनियर। इन नौकरियों के लिए औसत वेतन 18,000 रुपये प्रति माह से लेकर 32,000 रुपये प्रति माह तक होता है। इन नौकरियों में आम तौर पर 18 से 30 साल की उम्र के व्यक्तियों को भर्ती किया जाता है, जो युवा टैलेंट पर इंडस्ट्री के जोर को दर्शाता है। क्वेस कॉर्प में वर्कफोर्स मैनेजमेंट के प्रेसिडेंट लोहित भाटिया का कहना है कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग इनोवेशन और बदलावों के कारण तेजी से बढ़ रहा है।

भारत में गेहूं, चावल की सब्सिडी से अमेरिकी किसानों को हो रहा नुकसान, अमेरिका सीनेट ने जताई आपत्ति

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी वित्त विभाग के सीनेट समिति के अध्यक्ष रॉन विडेन ने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा है कि भारत में गेहूं और चावल पर दी जा रही सब्सिडी बाजार की कीमतों को प्रभावित करती है जिससे अमेरिकी किसानों का नुकसान होता है। ऐसे में अमेरिका के किसानों के लिए एशियाई बाजार में टिक पाना कठिन होता जा रहा है।

बाइडेन सरकार में एक शीर्ष व्यापार अधिकारी कैथरीन टाई ने अमेरिकी सांसदों को बताया कि भारत ने अमेरिकी कृषि उद्योग के लिए 12 अलग-अलग श्रेणियों में अपना बाजार खोल दिया है। उन्होंने भारत में गेहूं और चावल पर दी जा रही सब्सिडी पर चिंता जताई कि अमेरिकी किसानों ओर व्यवसायों की सुरक्षा के लिए व्यापार नियमों को लागू करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम कड़ी मेहनत करने वाले अमेरिकी परिवारों और ग्रामीणों के लिए बाजार खोल रहे हैं। पिछले तीन सालों में हमारी सरकार ने नए कृषि बाजार वैल्यू को 21 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि व्यापार सभी अमेरिकियों के हित में होना चाहिए। हमारा लक्ष्य अमेरिकी व्यापार नीति में अमेरिकियों को एक दूसरे के खिलाफ लड़ाई को बंद कराना है। यही कारण है कि हम व्यापार नीति निर्धारण में ज्यादा से ज्यादा आवाजों को शामिल करने के लिए असाधारण कदम उठा रहे हैं.

वही विगत दिनों अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भारत-अमेरिका के बीच हुए जेट डील समझौते को क्रांतिकारी बताया था। इस समझौते के तहत दोनों देश संयुक्त रूप से भारतीय वायु सेना के लिए लड़ाकू जेट इंजन बनाएंगे। बता दे जून में पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान ही भारत और अमेरिका के बीच फाइटर जेट इंजन को लेकर डील हुई थी। भारत के लिए यह डील बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हवाई क्षमता का विस्तार होगा। अमेरिका इस डील के तहत भारत को फाइटर जेट इंजन की महत्वपूर्ण तकनीक देगा।

गाजा में वॉर क्राइम का आरोप...इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट हुआ सख्त

नेतन्याहू के खिलाफ जारी हो सकता है अरेस्ट वारंट

तेल अवीव(ईएमएस)। हमास के खिलाफ जंग के बीच इजराइल को डर है कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर सकता है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों तोडऩे के आरोप में इजराइल के कई राजनेताओं और मिलिट्री लीडर्स के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है।

दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल को सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली थी कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट आने वाले समय में वारंट जारी करने पर विचार कर रही है। इसके बाद नेतन्याहू के ऑफिस में कई एक्सपर्ट्स ने इस मुद्दे पर इमरजेंसी मीटिंग भी की थी। इस दौरान वारंट को टालने के तरीकों पर चर्चा हुई थी।

दूसरे देशों से मदद लेगा इजराइल

इजराइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में विदेश मंत्री काट्ज, जस्टिस मिनिस्टर यारिव लेविन और स्ट्रैटेजिक अफेयर्स मिनिस्टर रॉन डेरमिर शामिल हुए थे। मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी थी कि इजराइल अरेस्ट वारंट टालने के लिए इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट और दूसरे डिप्लोमैटिक अधिकारियों से संपर्क करेगा। इसके अलावा पीएम नेतन्याहू ने ब्रिटेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से भी इस मामले में मदद मांगी थी। नेतन्याहू के मंत्रियों को डर है कि गाजा में मानवीय संकट को देखते हुए यह वारंट जारी हो सकता है।

हमास के खिलाफ भी चल सकता है मुकदमा

इससे पहले फरवीर में हमास की कैद से रिहा हुए कुछ इजराइलियों ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में हमास के वॉर क्राइम को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने हमास पर किडनैपिंग, टॉर्चर और शारीरिक हिंसा का आरोप लगाया था। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के चीफ प्रॉसीक्यूटर करीम खान पिछले साल दिसंबर में इजराइल के दौरे पर आए थे। इस दौरान वे उन क्षेत्रों में भी गए थे, जहां हमास ने हमला किया था। दौरे के आखिर में करीम खान ने कहा था कि इजराइल में हमास की क्रूरता के सबूत मौजूद हैं। अब हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू करना है उनका कर्तव्य है।

कांग्रेस नेता की बेटी का दिनदहाड़े मर्डर

हुबली(ईएमएस)। कर्नाटक के हुबली स्थित बीवीबी कॉलेज कैंपस में कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की 23 साल की बेटी नेहा हिरेमथ की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। नेहा एमसीए फस्ट ईयर की स्टूडेंट थी। उसी कॉलेज के एक ड्रॉपआउट स्टूडेंट फैयाज खोंडुनाईक (23) ने नेहा के गले, पेट सहित शरीर पर चाकू से 7 वार किए। हमले में फैयाज को भी चोटें आईं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां नेहा को मृत घोषित कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें फैयाज नेहा पर हमला करता हुआ दिखा। पुलिस ने बताया कि नेहा और फैयाज एक दूसरे को पहले से जानते थे। दोनों बीसीए के दौरान क्लासमेट थे। नेहा ने उसका प्रपोजल ठुकरा दिया था, जिसके कारण फैयाज ने घटना को अंजाम दिया।

तेल अवीव की सभी उड़ानों को 30 तक रोका

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर भारतीय एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने तेल अवीव की अपनी सभी उड़ानों को 30 अप्रैल तक रोक दिया है। एयर इंडिया ने एक पोस्ट कर इस फैसले की जानकारी दी है। एयर इंडिया ने अपने पोस्ट में कहा कि मध्यपूर्व की स्थिति को देखते हुए तेल अवीव से आने-जाने वाली उड़ानों को हमने 30 अप्रैल तक निलंबित कर दिया है। स्थिति पर हमारी नजर है। हम अपने उन यात्रियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं, जो पहले ही तेल अवीव आने-जाने के लिए बुकिंग कर चुके हैं। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिहार में औरंगाबाद में एक पोलिंग बूथ पर महज 3 वोट पड़े

पटना (ईएमएस)। बिहार में पहले चरण के मतदान के दौरान बिहार के औरंगाबाद में एक पोलिंग बूथ पर महज 3 वोट पड़े। मतदान अधिकारी पूरे दिन इंतजार करते रहे लेकिन लोग वोटिंग करने नहीं आए। यह मामला औरंगाबाद प्रखंड के नेहुटा गांव का है। यहां के लोगों ने एकजुट होकर मतदान का बहिष्कार किया। इससे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। डीएम और एसपी भी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। इसके बावजूद लोग वोट डालने पोलिंग बूथ पर नहीं पहुंचे।

जानकारी के मुताबिक औरंगाबाद के नेहुटा गांव के लोग इलाके में खस्ताहाल सड़क एवं पेयजल की समस्या को लेकर नेताओं और अफसरों से नाराज हैं। उन्होंने पूर्व में ही मतदान के बहिष्कार की चेतावनी दे दी थी। मगर जिम्मेदारों ने कोई सुध नहीं ली। शुक्रवार को मतदान के दिन गांव वालों ने वोटिंग से पल्ला झाड़कर अपना विरोध जाहिर किया। लोगों का कहना है कि उन्हें सड़क, नाली और नल जल जैसी योजना का लाभ नहीं मिला।

सुबोधी 19042024

जूनियर क्लर्क परीक्षा मतदान के कारण स्थगित कर दी गई

गांधीनगर, १९ अप्रैल। गुजरात चयन बोर्ड ने जूनियर क्लर्क की भर्ती के लिए कॉल लेटर की घोषणा कर दी है। फिर सरकारी भर्ती परीक्षा को लेकर बड़ा अपडेट आया है. माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड ने घोषणा की है कि जूनियर/सीनियर क्लर्क परीक्षा स्थगित कर दी गई है। चुनाव के कारण परीक्षा स्थगित कर दी गई है. अब परीक्षा की नई तारीख की घोषणा मतदान के बाद की जाएगी. फिर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी बोर्ड के विज्ञापन से निराश हैं। माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड के सचिव हसमुख पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकारी भर्ती के लिए जूनियर-सीनियर क्लर्क की परीक्षा स्थगित कर दी गई है. २०, २१, २७ और २८ अप्रैल को होने वाली परीक्षा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। साथ ही ४ और ५ मई को होने वाली परीक्षा भी स्थगित कर दी गई है. चुनाव आचार संहिता के कारण परीक्षा स्थगित कर दी गई है। हालाँकि, मतदान के दिन के बाद परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि अब तक हुई परीक्षा यथावत रहेगी. आज की परीक्षा भी यथावत रहेगी. कल से मतदान तक परीक्षाएं स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। मतदान दिवस के बाद की परीक्षाएं भी यथावत रहेंगी। मतदान के बाद चुनाव आयोग की अनुमति से स्थगित परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। स्थगित तिथि के उम्मीदवारों के लिए एक नया कॉल लेटर तैयार किया जाएगा। साथ ही नई तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। चुनाव आयोग की मंजूरी के बाद लगभग नई तारीख की घोषणा कर दी जाएगी।

बता दें कि ग्रुप ए और ग्रुप बी पदों पर भर्ती के लिए सीसीई २०२४ परीक्षा १ अप्रैल से ८ मई २०२४ तक आयोजित की गई थी। माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड ने कनिष्ठ लिपिक, प्रधान लिपिक, कार्यालय सहायक वरिष्ठ लिपिक समेत करीब २२ संवर्गों की भर्ती करने का निर्णय लिया है। उस समय, गुजरात चयन बोर्ड द्वारा जूनियर क्लर्क की भर्ती के लिए कॉल लेटर की घोषणा की गई थी। जो उम्मीदवार परीक्षा देना चाहते हैं उन्हें पोर्टल पर जाकर कॉल लेटर डाउनलोड करने की भी सलाह दी गई है। कॉल लेटर की घोषणा के बाद, उम्मीदवार निराश हैं कि परीक्षा स्थगित कर दी गई है। उम्मीदवार इस परीक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

राज्य में 10 साल की रिकार्ड तोड़ेगी गर्मी, 25 अप्रैल तक कई जिलों का तापमान 44 डिग्री तक पहुंचेगा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में भीषण गर्मी से हाहाकार मचा हुआ है और इससे फिलहाल राहत मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आती। ऐसे में मौसम के जानकार की गर्मी को लेकर डरावनी भविष्यवाणी सामने आई है। मौसम के जानकार परेश गोस्वामी की मानें तो अप्रैल महीने की गर्मी पिछले 10 साल का रिकार्ड तोड़ देगी। आगामी 25 अप्रैल तक राज्य के कई शहरों का तापमान 44 डिग्री तक पहुंच सकता है। अप्रैल महीने के तीसरे सप्ताह का तापमान सामान्य से दो डिग्री ज्यादा दर्ज हो रहा है। जो वर्ष 2016 और वर्ष 2018 के मुकाबले ज्यादा है। परेश गोस्वामी के मुताबिक 10 वर्ष की तुलना में वर्ष 2016 और 2018 के मुकाबले वर्ष 2024 सबसे अधिक गर्म है। अर्थात 2024 की गर्मी वर्ष 2016 और 2018 का रिकार्ड तोड़ रही है। आगामी 25 अप्रैल तक राज्य के कई शहरों में तापमान 44 डिग्री या उससे अधिक दर्ज हो सकता है। जबकि अन्य जगहों का तापमान 41 से 43 डिग्री के आसपास रहेगा। राजकोट, अमरेली, जूनागढ़, सुरेन्द्रनगर, अहमदाबाद, आणंद, नडियाद, गांधीनगर, कपड़वंज, हिम्मतनगर और ईडर ऐसे इलाके हैं जहां तापमान 44 डिग्री तक दर्ज हो सकता है। मई महीने में तो इससे भी भयंकर गर्मी पड़ने की संभावना है। ज्यादातर इलाकों में तापमान 44 डिग्री या उसके पार जा सकता है। फिलहाल राज्य में चल रहे हिटवेव से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है।

तेज रफ्तार का कहर : कार ने दो एक्टिवा को उड़ाया, युवक की मौत, युवती समेत तीन जख्मी

वडोदरा (ईएमएस) शहर में फिर एक बार तेज रफ्तार कार ने कहर बरपाया। देर रात शहर के अकोटा-डांडिया बाजार ब्रिज पर तेज रफ्तार कार ने दो एक्टिवा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक युवती समेत तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के अकोटा-डांडिया बाजार ब्रिज पर तेज रफ्तार एक कार ने दो एक्टिवा सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि हादसे के बाद एयरबेग खुल गई। इस घटना में आकाश नामक युवक की मौत हो गई। जबकि एक युवती समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक आकाश एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। कार की टक्कर से दोनों एक्टिवा का परखच्चे उड़ गए। जानकारी है कि कार से संदिग्ध वस्तुएं बरामद हुई हैं। पुलिस ने कार के ड्राइवर को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

सूरत में व्यापारी डुप्लीकेट तेल बनाते पकड़े गए

सूरत, १९ अप्रैल। यह सर्वविदित है कि सूरत शहर में डुप्लीकेट पनीर, घी और तेल बेचा जा रहा है। पिछले दिनों पुलिस ने नकली घी-तेल फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था. फिर गुरुवार को सूरत सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने पुलिस के साथ मिलकर लिंबायत इलाके में आठ व्यापारियों से मिलावटी तेल जब्त किया. चेकिंग के दौरान ६० डिब्बे डुप्लीकेट तेल और अलग-अलग ब्रांड के करीब २५० स्टीकर और जिस तरह का तेल बनाना है उसकी खुशबू वाले ढाई सौ कैप्सूल मिले। सूरत सिटी ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रूपेश वोरा के मुताबिक, जोन-२ के डीसीपी भागीरथ गढ़वी के सहयोग से सूरत सिटी ट्रेडर्स एसोसिएशन के पीआई पधेरिया और उनके स्टाफ के साथ लिंबायत इलाके में छापा मारने पर करीब आठ व्यापारियों को वहां से मिलावटी तेल मिला। लिंबायत में विजय लक्ष्मी सुपर स्टोर सहित किराना प्रावधान व्यापारियों पर बड़े पैमाने पर जांच की गई। चेकिंग के दौरान ६० डिब्बे डुप्लीकेट ऑयल और करीब २५० अलग-अलग ब्रांड के स्टीकर और करीब २५० कैप्सूल मिले। वहां से आठ व्यापारियों के पास से मिलावटी तेल बरामद हुआ, जिसके बाद लिंबायत पुलिस ने तेल की नकल करने वाले व्यापारियों को हिरासत में लिया और आगे की कार्रवाई के साथ जांच शुरू कर दी।

लोकसभा के तीसरे चरण के लिए सीआर पाटील ने नवसारी लोकसभा सीट से नामांकन भरा

अमित शाह ने गांधीनगर से, कांग्रेस के परेश धानाणी ने राजकोट और रामजी ठाकोर ने मेहसाणा सीट से पर्चा दाखिल किया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में लोकसभा के तीसरे चरण के तहत 7 मई को वोटिंग होगी और इसके लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन भाजपा और कांग्रेस समेत कई उम्मीदवारों ने अपने पर्चे दाखिल किए। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर अमित शाह के गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी और गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी मयंक नायक उपस्थित रहे। अमित शाह के साथ ही डमी उम्मीदवार के तौर पर गांधीनगर के पूर्व विधायक अशोक पटेल ने पर्चा भरा। फिलहाल अशोक पटेल भरुच के प्रभारी हैं। दूसरी ओर गुजरात प्रदेश भाजप प्रमुख सीआर पाटील ने नवसारी लोकसभा सीट से विजय मुहूर्त में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वैसे सीआर पाटील कल यानी 18 अप्रैल को पर्चा भरने वाले थे, लेकिन रोड शो के कारण विजय मुहूर्त चूकने से आज नामांकन पत्र दाखिल किया। सीआर पाटील की नामांकन प्रक्रिया के दौरान विधायक और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक चर्चा का विषय बनी राजकोट सीट से कांग्रेस प्रत्याशी परेश धानाणी ने अपना नामांकन पत्र भरा। परेश धानाणी का भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला से मुकाबला है। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले आयोजित रैली, सभा में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य शक्तिसिंह गोहिल, जगदीश ठाकोर उपस्थित रहे। इस मौके पर बिजली गुल होने पर परेश धानाणी ने सरकार पर प्रहार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जान बूझकर बिजली काट दी है। जिसके बाद कांग्रेस ने रामधून कर अपना विरोध किया। वहीं उत्तर गुजरात की मेहसाणा लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रामजीभाई ठाकोर ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर कांग्रेस नेता बलदेवजी ठाकोर और शैलेष परमार उपस्थित रहे।

बता दें कि गुजरात में लोकसभा की सभी 26 सीटों पर सामान्य चुनाव और विधानसभा की 5 सीटों पर उपचुनाव के लिए 7 मई 2024 को वोट डाले जाएंगे और उसके लिए पर्चा दाखिल करने का आज 19 अप्रैल आखिरी दिन है। 20 अप्रैल को नामांकन की जांच होगी और 22 अप्रैल तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकते हैं।

कैमिकल कंपनी में लगी भीषण आग, बम की तरह फे कैमिकल भरे ड्रम

गांधीनगर (ईएमएस) कलोल-मेहसाणा हाईवे स्थित राजपुर की एक कैमिकल कंपनी में देर रात लगी भीषण में करोड़ों का सामान जलकर राख हो गया। कैमिकल की वजह से देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिसे देख आसपास रहनेवालों में अफरातफरी मच गई।

आग इतनी भीषण थी कि कंपनी में रखे कैमिकल से भरे ड्रम बम की तरह ब्लास्ट हुए। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर जिले में कलोल-मेहसाणा हाईवे स्थित राजपुर की रेसिपोल अधेसिव प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में देर रात किन्हीं कारणों से आग भड़क उठी। कैमिकल कंपनी होने के कारण देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी डरावनी थी कि दूर दूर तक उसकी ज्वालाएं देख लोगों में दहशत फैल गई और अफरातफरी मच गई। भीषण आग पर काबू पाने के लिए कलोल, कड़ी, माणसा और मेहसाणा इत्यादि से दमकल विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीमों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग की इस घटना में कोई जानहानि तो नहीं हुई, लेकिन करोड़ों का माल-सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है। लेकिन कंपनी में रखे कैमिकल से भरे ड्रम आग लगने के बाद बम की तरह ब्लास्ट हुए।

अमेरिका के एक शहर का लगातार तीसरी बार मेयर बना यह गुजराती

अहमदाबाद (ईएमएस) अमेरिका में एक और गुजराती ने डंका बजा दिया है। सौराष्ट्र के राजकोट जिले के उपलेटा के मूल निवासी नरेश सोलंकी अमेरिका के एक शहर के लगातार तीसरी बार मेयर बनकर गुजरात समेत देश का नाम रौशन किया है। राजकोट जिले के उपलेटा के सोरठिया आहिर समाज के नरेश सोलंकी सपरिवार वर्षों से अमेरिका के केलिफोर्निया में निवास करते थे। वर्ष 1988 में उनका परिवार अमेरिका के सेरोटिस शहर में स्थायी हो गया। वर्ष 2007 से 2015 तक नरेश सोलंकी प्लानिंग कमिश्नर रहे और उसके बाद 2015 में सेरोटिस सिटी के काउंसिल चुने गए। वर्ष 2020 में दोबारा निर्वाचित हुए। वर्ष 2016 और 2018 में मेयर प्रोटेम और वर्ष 2019 और 2020 में मेयर बने। नरेश सोलंकी के लगातार तीसरी बार मेयर बनना साबित करता है कि वह अमेरिका में कितने लोकप्रिय हैं। नरेश सोलंकी का परिवार अपनी मातृभूमि का ऋण अदा करने के लिए पिछले 21 वर्षों से उपलेटा में हर दिसंबर महीने में मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन करता है।

बहुचराजी में जी एस आर टी सी अतिरिक्त 550 बसें चलाएगा

(अहमदाबाद) बहुचराजी में तीन दिवसीय के मेले को लेकर जीएसआरटीसी अतिरिक्त 550 बसें चलाएगा

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर गुजरात स्थित शक्तिपीठ बहुचराजी में चैत्र मेला को लेकर जीएसआरटीसी ने श्रद्धालुओं के लिए 550 अतिरिक्त बसें चलाने का आयोजन किया गया है। 21 अप्रैल से 23 अप्रैल तक होनेवाले इस तीन दिवसीय मेला में 10 लाख से भी श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए जीएसआरटीसी ने अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया है। उत्तर गुजरात के मेहसाणा जिला स्थित बहुचराजी में हर साल चैत्र महीने में मेला लगता है और इसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। हर साल की भांति इस वर्ष में पूर्णिमा मेला का आयोजन किया गया है। 21 अप्रैल से शुरू होकर 23 अप्रैल पूर्णिमा को इस मेला का समापन होगा। तीन दिवसीय इस परंपरागत लोक मेला में 10 लाख से भी ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए जीएसआरटीसी के मेहसाणा विभाग ने अतिरिक्त 550 बसें चलाने का आयोजन किया है।

गुजरात की सभी 26 लोकसभा सीटों पर भाजपा के विरोध का विरोध करेगा क्षत्रिय समाज

अहमदाबाद (ईएमएस) क्षत्रिय समाज ने गुजरात की सभी 26 सीटों पर भाजपा का विरोध करने का ऐलान किया है। राजकोट सीट से पुरुषोत्तम रूपाला का टिकट रद्द करने को लेकर दिए गए अल्टीमेटम का समय खत्म होने के बाद क्षत्रिय समाज की संकलन समिति में यह फैसला किया गया है। बता दें कि पुरषोत्तम रूपाला ने क्षत्रिय समाज को लेकर विवादित बयान बया दिया था। जिससे क्षत्रिय समाज में आक्रोश भड़क उठा था और उन्होंने राजकोट सीट से पुरुषोत्तम रूपाला का टिकट रद्द करने की मांग की थी। हांलाकि रूपाला ने अपने बयान के लिए क्षत्रिय समाज से एक नहीं बल्कि दो दफा माफी मांग ली। परंतु क्षत्रिय समाज पुरुषोत्तम रूपाला की उम्मीदवारी वापस लेने की मांग पर अडिग है। अब तक केवल राजकोट सीट पर पुरुषोत्तम रूपाला का विरोध करनेवाले क्षत्रिय समाज ने अब गुजरात की सभी 26 सीटों पर भाजपा का विरोध करने का ऐलान कर दिया है। दरअसल अहमदाबाद में आज क्षत्रिय समाज की संकलन समिति की बैठक हुई। करीब दो घंटे तक चली संकलन समिति की बैठक के बाद पत्रकार परिषद में क्षत्रिय नेताओं ने कहा कि सत्ता पक्ष को दिया अल्टीमेटम का समय अब खत्म हो चुकी है। अल्टीमेटम के मुताबिक रूपाला की उम्मीदवारी वापस नहीं ली गई, इसलिए अब राजपूत समाज ऑपरेशन भाजपा चलाएगा। कल से राज्य के सभी जिलों में क्षत्रिय समाज की महिलाएं प्रतिक उपवास करेंगी। राज्य में मतदान के दिन तक हर दिन एक जिले में क्षत्रिय समाज की महिलाएं प्रतिक उपवास करेंगी। अर्थात क्षत्रिय महिलाएं अब पुरुषोत्तम रूपाला के खिलाफ उपवास आंदोलन करेंगी। साथ ही काले झंडे के खिलाफ जारी परिपत्र का विरोध किया जाएगा। भाजपा के प्रतिनिधियों का जोरदार तरीके से विरोध किया जाएगा। इतना ही नहीं क्षत्रिय समाज पांच जोन में 5 दर्म रथ निकालेगा। कच्छ में आशापुरा मंदिर से धर्म निकलेगा। क्षत्रिय समाज ने राज्य की सभी 26 सीटों पर विरोध करने का फैसला किया है। खासकर राजकोट सीट पर भाजपा के विरोध के लिए विशेष समिति बनाई गई है। खासकर बनासकांठा, पाटण, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर में परिणामोन्मूख विरोध का फैसला किया गया है। क्षत्रिय समाज का अब एक ही नारा है 'बॉयकॉट भाजपा, वोट ही शस्त्र'। क्षत्रिय समाज की अहमदाबाद में हुई संकलन समिति में 90 मुख्य संस्थाओं के साथ उपसंस्था के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

घर के बाहर चारपाई पर सो रहे दो भाइयों पर पड़ोसी ने कार चढ़ा दी

अहमदाबाद, १९ अप्रैल। शहर के पास सिंगरवा के भगवतीनगर में एक मजदूर परिवार के दो बेटे घर के बाहर खाट में सो रहे थे, तभी एक पड़ोसी ने अपनी कार निकाली और उन पर कार चढ़ा दी। जिसमें बड़े भाई की मौत हो गयी। जबकि छोटे भाई का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। इस हादसे को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज कर पड़ोसी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। सावरनाथ मोहंतो और उनकी पत्नी सिंगरवा भगवती नगर में रहते हैं और मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके तीन बच्चे भी उनके साथ रहते हैं। गर्मी के कारण परिवार घर के बाहर चारपाई डालकर सोता है। गुरुवार सुबह परिवार का १५ वर्षीय बेटा निखिल और ४ वर्षीय शौनक चारपाई में सो रहे थे।

ओलाने भारत को ईवी-रेडी बनाया; एस1 एक्सरेंज के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के साथ मास-मार्केट सेगमेंट में प्रवेश किया

बैंगलुरू, 17 अप्रैल, 2024: आज ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1एक्स पोर्टफोलियो के लिए नई कीमतों की घोषणा करके इलेक्ट्रिक स्कूटरों की डिलीवरी के बारे में भी जानकारी दी। एस1एक्स तीन बैटरी कॉन्फिगुरेशंस - 2 किलोवॉट घंटा, 3 किलोवॉट घंटा और 4 किलोवॉट घंटा में उपलब्ध होगा, जिनका मूल्य क्रमशः 69,999 रुपये (इंट्रोडक्टरी मूल्य), 84,999 रुपये, और 99,999 रुपये होगा। एस1एक्स की डिलीवरी अगले सप्ताह से शुरू होगी। कंपनी ने एस1 प्रो, एस1 एयर, और एस1 एक्स+ की नई कीमतों के बारे में भी बताया, जो अब क्रमशः 1,29,999 रुपये, 1,04,999 रुपये और 84,999 रुपये में मिलेंगे। साथ ही सभी एस1 स्कूटरों पर 8 साल/80,000 किलोमीटर की कॉम्प्लिमेंट्री बैटरी वॉरंटी बिना किसी अतिरिक्त लागत के दी जा रही है।

एस1एक्स रेंज के साथ कंपनी ने मास मार्केट सेगमेंट में प्रवेश किया है। एस1एक्स पोर्टफोलियो के लिए स्वामित्व की लागत कम है, और इस पर 8 साल/80,000 किलोमीटर की कॉम्प्लिमेंट्री बैटरी वॉरंटी मिल रही है, जिसके कारण यह बाजार में बहुत ही आकर्षक मूल्य प्रस्ताव पेश कर रहा है।

ओला के प्रवक्ता ने बताया, ''हमारा मानना है कि भारत में ईवी का बाजार अपने चरम बिंदु तक पहुँच चुका है, और पिछले माह टू-व्हीलर सेगमेंट में ईवी का पेनेट्रेशन अब तक के सबसे ऊँचे स्तर पर था। हमारा एस1एक्स पोर्टफोलियो ईवी की ऊँची अपफ्रंट लागत का हल लेकर आया है, जो ईवी को अपनाने में आने वाली सबसे बड़ी अड़चनों में से एक है। ओला की मजबूत लागत संरचना और वर्टिकली इंटीग्रेटेड इन-हाउस टेक्नोलॉजी एवं मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं के कारण हम अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर बहुत ही प्रतिस्पर्धी मूल्य में पेश कर पाए। एस1एक्स के नए मूल्यों और लोकप्रिय मूल्यों में विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ हमें विश्वास है कि हम देश में ईवी का पेनेट्रेशन बढ़ाने में मदद करेंगे।''

फिज़िकल-की, आकर्षक रेंज और परफॉर्मेंस

एस1एक्स सीरीज़ के साथ फिज़िकल-की दी जा रही है, और यह ग्राहकों की विभिन्न रेंज की मांगों को पूरा करती है। एस1एक्स रेंज में 4 किलोवॉट घंटा, 3 किलोवॉट घंटा, और 2 किलोवॉट घंटा के वैरिएंट्स के लिए क्रमशः 190 किलोमीटर, 143 किलोमीटर और 95 किलोमीटर की आईडीसी-सर्टिफाईड रेंज मिलती है।

यह इलेक्ट्रिक स्कूटर 6 किलोवॉट घंटा की मोटर के साथ आता है और 4 किलोवॉट घंटा एवं 3 किलोवॉट घंटा के वैरिएंट के लिए केवल 3.3 सेकंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की गति हासिल कर लेता है तथा 90 किलोमीटर प्रति घंटा की सर्वोच्च गति से चल सकता है। 2 किलोवॉट घंटा वैरिएंट 85 किलोमीटर प्रति घंटा की सर्वोच्च गति से चल सकता है और 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की गति 4.1 सेकंड में प्राप्त करता है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को राईडर्स तीन राईडिंग मोड्स (ईको, नॉर्मल, स्पोर्ट्स) में चला सकते हैं।

500,000 की उपलब्धि

ओला इलेक्ट्रिक की इस घोषणा के साथ कंपनी ने एक और उपलब्धि हासिल की है, और पिछले 2.5 साल में ही कंपनी के 500,000 इलेक्ट्रिक स्कूटरों (वाहन पोर्टल के मुताबिक) का रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है।

21 अप्रैल को जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस अहमदाबाद तक जाएगी

पश्चिम रेलवे के वड़ोदरा मंडल के वड़ोदरा-गैरतपुर सेक्शन में स्थित गोठाज स्टेशन पर इलेक्ट्रोनिक इंटरलोकिंग कार्य के चलते राजकोट मंडल से होकर जाने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी। विवरण निम्नानुसार है:-

आंशिक रूप से रद्द होने वाली ट्रेनें: 1) ट्रेन संख्या 22960 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस 21 अप्रैल, 2024 को अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इस तरह यह ट्रेन अहमदाबाद-वड़ोदरा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

2) ट्रेन संख्या 22959 वड़ोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस 21 अप्रैल, 2024 को वडोदरा के स्थान पर अहमदाबाद से शॉर्ट ओरिजिनेट (प्रारंभ) होगी। इस तरह यह ट्रेन वड़ोदरा-अहमदाबाद के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indian rail. gov .in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी 3 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

वडोदरा,१९ अप्रैल

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर और03 जोडी समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिमरेलवेके मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1.ट्रेन संख्या 09654/09653 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर (साप्ताहिक) सुपरफास्ट स्पेशल (20 फेरे) प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.50 बजे अजमेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 28 अप्रैल, 2024 से 30 जून, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09653 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 17.50 बजे अजमेर से रवाना होगी और अगले दिन 12.15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 27 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, अंकलेश्वर, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, जावरा, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर और नसीराबाद स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2.ट्रेन संख्या 04818/04817 साबरमती-बाड़मेर (साप्ताहिक) स्पेशल (20 फेरे) प्रत्येक सोमवार को साबरमती से 08.15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 17.55 बजे बाडमेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 29अप्रैल, 2024 से 01 जुलाई, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04817 बाडमेर-साबरमती स्पेशल प्रत्येक रविवार को बाडमेर से 21.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.15 बजे साबरमती पहुंचेगी। यह ट्रेन 28 अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पाटन, भीलड़ी, धनेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, बालोतरा और बायतु स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3.ट्रेन संख्या 04820/04819 साबरमती-बाड़मेर (साप्ताहिक) स्पेशल (20 फेरे) प्रत्येक मंगलवार को साबरमती से 23.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 10.30 बजे बाड़मेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 अप्रैल, 2024 से 25 जून, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04819 बाडमेर-साबरमती स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को 13.00 बजे बाडमेर से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22.35 बजे साबरमती पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 अप्रैल 2024 से 25 जून 2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पाटन, भीलड़ी, धनेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, बालोतरा और बायतु स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर और स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन 09654, 04818 और 04820 की बुकिंग 21 अप्रैल, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वडोदरा मण्डल के गोठाज स्टेशन पर नॉन इंटर लॉकिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी

वडोदरा,१९ अप्रैल

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर वडोदरा-गैरतपुरसेक्शन के गोठाज स्टेशन पर 21 अप्रैल 2024 को नॉन इंटरलॉकिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी। जिसका विवरण इस प्रकार है:-

21 अप्रैल 2024 को निरस्त ट्रेनें

1.ट्रेन संख्या 19036 अहमदाबाद-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस,2.ट्रेन संख्या 19035 वडोदरा-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस,3.ट्रेन संख्या 09495 वडोदरा-अहमदाबाद मेमू स्पेशल,4.ट्रेन संख्या 09496 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू स्पेशल,5.ट्रेन संख्या 09400 अहमदाबाद- आणंद मेमू स्पेशल,6.ट्रेन संख्या 09399 आणंद - अहमदाबाद मेमू स्पेशल,7.ट्रेन संख्या 09328 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू स्पेशल,8.ट्रेन संख्या 09391 वडोदरा – गोधरा मेमू स्पेशल,9.ट्रेन संख्या 09273 वडोदरा-अहमदाबाद मेमू स्पेशल,10.ट्रेन संख्या 09312 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू स्पेशल,

22अप्रैल 2024 को निरस्त ट्रेन

1.ट्रेन संख्या 09394 गोधरा - आणंद मेमू स्पेशल,21अप्रैल 2024 को आंशिक निरस्त होने वाली ट्रेनें,1.ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एक्सप्रेस वडोदरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन वड़ोदरा-अहमदाबाद के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

2.ट्रेन संख्या 19034 अहमदाबाद-वलसाड गुजरात क्वीन एक्सप्रेस वडोदरा स्टेशन से शॉर्ट ऑरिजिनेट (प्रारंभ) होगी तथा यह ट्रेन अहमदाबाद-वड़ोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

3.ट्रेन संख्या 22960 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन अहमदाबाद-वड़ोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

4. ट्रेन संख्या 22959 वड़ोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस अहमदाबाद स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट (प्रारंभ) होगी तथा यह ट्रेन वड़ोदरा-अहमदाबाद के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

5.ट्रेन संख्या 09311 वड़ोदरा-अहमदाबाद मेमू स्पेशल आणंद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन आणंद-अहमदाबाद के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

पश्चिम रेलवे ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाएगी प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09037	उधना - भागलपुर (अनारक्षित)	20.04.2024	11:25 बजे. (शनिवार)	20:00 बजे. (अगले दिन)
09038	भागलपुर - उधना (अनारक्षित)	21.04.2024	23:00 बजे. (रविवार)	09:00 बजे. (मंगलवार)
पड़ावः चलथान (आगमन 11:40 बजे / प्रस्थान 11:45 बजे), भदोही (आगमन 12:00 बजे / प्रस्थान 12:05 बजे), नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, जमालपुर और सुल्तान गंज स्टेशन।				
संरचनाः सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09019	उधना - भागलपुर (अनारक्षित)	20.04.2024	20.00 बजे. (शनिवार)	10:00 बजे. (सोमवार)
09020	भागलपुर - विश्वामित्री (अनारक्षित)	22.04.2024	13:00 बजे. (सोमवार)	23:55 बजे. (अगले दिन)
पड़ावः वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सौगोर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, जमालपुर और सुल्तानगंज स्टेशन। ट्रेन नं. 09019 सूरत, सायन और भरूच स्टेशनों पर भी रुकेगी।				
संरचनाः सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09477	साबरमती-पटना	21.04.2024	00.45 बजे. (रविवार)	09.30 बजे. (अगले दिन)
09478	पटना साबरमती	22.04.2024	12:30 बजे. (सोमवार)	21:30 बजे. (अगले दिन)
पड़ावः महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़ जं, अजमेर, फुलेरा, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, अछनेरा, आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर, वाराणसी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर एवं दोनों दिशाओं में आरा स्टेशनों पर रुकेगी।				
संरचनाः स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				

समय, पड़ाव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन नंबर 09477 की बुकिंग 20.04.2024 से शुरू होगी सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिमी रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें यहां लाइक करें : facebook.com/WesternRly
हमें यहां फ़ॉलो करें : twitter.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96